हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 342 | शनिवार 05 अप्रैल 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

देश से प्यार करते-करते आखिरकार टूट गई जिंदगी की लड़ी... अभिनेता मनोज कुमार नहीं रहे

मुंबई (एजेंसी)। वो दिग्गज अभिनेता जिसने फिल्मों को एक नई दिशा दी। देश प्रेम इतना कि लगभग हर फिल्म में इसकी झलक दिखाई दी। फिल्म क्रांति जब आई तो पूरे देश में छा गई। इसका एक गाना आज भी लोगों की जुबान पर है। जिंदगी की न टूटे लड़ी प्यार करले घड़ी दो घड़ी। ऐसा ही प्यार अपने देश से करते करते अंततः अभिनेता मनोज कुमार ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। रीदेशप्रेम पर आधारित फिल्में बनाने वाले बॉलीबुड के दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हे भारत कुमार के नाम से भी जाना जाता था। दिग्गज एक्टर के निधन से इंडस्ट्री में शोक की लहर है।मनोज कुमार को 'भारत कुमार'के नाम से भी जाना जाता था। उन्होंने कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। मनोज कुमार कई दिनों से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। वहीं, शुक्रवार सुबह उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। मनोज कुमार के निधन की खबर सामने आने के बाद से स्टार्स और फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मनोज कुमार एक्टिंग के साथ शानदार डायरेक्शन के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने देशभक्ति पर बनने वाली कई फिल्मों में न सिर्फ एक्टिंग की बल्कि इन फिल्मों को डायरेक्ट भी किया था। फिल्मों की बात करें तो मनोज को उनकी शहीद, उपकार, पूरब और पश्चिम, और रोटी कपड़ा और मकान, दस नंबरी और क्रांति के लिए जाना जाता है। यही नहीं, भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए मनोज कुमार को 1992 में पद्मश्री और 2015 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

असली नाम हरिकृष्ण गिरी गोस्वामी

बता दें कि 24 जुलाई 1937 को जन्में मनोज कुमार का असली नाम हरिकृष्ण गिरी गोस्वामी है। फिल्मों में आने के बाद उन्होंने अपना नाम मनोज कुमार रखा। मनोज कुमार को उनकी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाने जाता था। इसी वजह से उन्हें बॉलीवुड का भारत कुमार कहा जाता था।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

अभिनेता मनोज कुमार के निधन से पूरे भारतवर्ष में शोक की लहर है। फिल्म जगत में सन्नाटा पसर गया है। भारतीय अभिनेता और फिल्म निर्देशक मनोज कुमार के निधन पर फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने कहा, दिग्गज दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता, हमारी प्रेरणा और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के शेर, मनोज कुमार जी अब नहीं रहे। यह इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ी क्षति है और पूरी इंडस्ट्री उन्हें याद करेगी।

सावरकर मानहानि मामले में राहुल गांधी को हाईकोर्ट से झटका

-समन खारिज करने की अर्जी अदालत ने ठुकराई

नई दिल्ली। सावरकर मानहानि मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को इलहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच से झटका लगा है। कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ समन आदेश रद्द करने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अदालत में लंबित सावरकर मानहानि मामले में राहुल गांधी को राहत देने से इनकार कर दिया है। राहुल गांधी ने याचिका में सत्र न्यायालय के उस आदेश को भी चुनौती दी थी, जिसमें शिकायतकर्ता नृपेंद्र पांडे द्वारा जून 2023 में उनकी शिकायत खारिज किए जाने के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका को अनुमति दी थी। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि राहुल गांधी के पास धारा 397 सीआरपीसी (धारा 438 बीएनएसएस) के तहत सत्र न्यायाधीश के समक्ष जाने का विकल्प है। इसे देखते हुए अदालत ने उनकी याचिका रद्द कर दी।

इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की

-पार्टियों का फंड जब्त करने की मांग की गई थी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इलेक्टोरल बॉन्ड (चुनावी बॉन्ड) से जुड़ी याचिका खारिज कर दी। याचिका में कोर्ट से उसके पुराने फैसले की समीक्षा की मांग की गई थी। पुराने फैसले में कोर्ट ने राजनीतिक दलों को मिले 16,518 करोड़ रुपए जब्त करने की मांग खारिज की थी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने 2 अगस्त, 2024 के शीर्ष अदालत के फैसले के खिलाफ खेम सिंह भाटी द्वारा दायर समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया। पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने 15 फरवरी, 2024 को चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, भारतीय स्टेट बैंक ने चुनाव आयोग के साथ फंडिंग में मिले रुपयों का डेटा साझा किया था।

भाजपा सबसे ज्यादा चंदा लेने वाली पार्टी

चुनाव आयोग ने 14 मार्च, 2024 को इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा अपनी वेबसाइट पर जारी किया था। इसमें भाजपा सबसे ज्यादा चंदा लेने वाली पार्टी थी। 12 अप्रैल 2019 से 11 जनवरी 2024 तक पार्टी को सबसे ज्यादा 6,060 करोड़ रुपए मिले थे। लिस्ट में दूसरे नंबर पर तृणमूल कांग्रेस (1,609 करोड़) और तीसरे पर कांग्रेस पार्टी (1,421 करोड़) थी।

नेपाल में रिक्टर पैमाने पर 5 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली । नेपाल में रिक्टर पैमाने पर 5 तीव्रता का भूकंप आया है, जिसका असर उत्तर भारत में भी दिखा है। झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाह आ गए। भूकंप के कारण अभी तक जान-माल का किसी प्रकार का नुकसान होने की खबर नहीं मिली है। नेपाल में बीते 28 फरवरी तड़के सुबह रिक्टर स्केल पर 5 ।5 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका असर बिहार में भी महसूस किया गया था। साथ ही उसी दिन पाकिस्तान में रिक्टर पैमाने पर 4 ।5 तीव्रता का भूकंप आया था। म्यांमार में 28 मार्च को 7 ।7 तीव्रता का भूकंप आया जिससे 3,000 से ज्यादा लोग मारे गए, लगभग 5,000 लोग घायल हुए हैं और देशभर में 370 से ज्यादा लोग लापता हैं।

सोशल मीडिया पर बच्चों के बैन की याचिका खारिज

-सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मामला हमारे दायरे से बाहर, संसद से कानून बनाने को कहें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर कानूनी प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा- यह नीतिगत मामला है। आप संसद से कानून बनाने के लिए कहें। यह हमारे दायरे से बाहर है। हालांकि कोर्ट ने अन्य अथॉरिटी के सामने अपील करने की छूट दी है। पीठ ने कहा कि आठ सप्ताह के भीतर कानून के अनुसार अपील की जा सकती है। जेप फाउंडेशन की याचिका में केंद्र सरकार और अन्य अथॉरिटी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक बच्चों की पहुंच को रेगुलेट करने के लिए बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन जैसा एज वैरिफिकेशन सिस्टम शुरू करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। इसके अलावा बाल संरक्षण नियमों का पालन करने में असफल रहने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सख्त कानूनी कार्रवाई की भी मांग की गई थी।

बिम्सटेक सम्मेलन में भारत का दबदबा कायम,

पीएम मोदी ने सदस्य देशों को दिया यूपीआई से जुड़ने का प्रस्ताव

बैंकॉक/नई दिल्ली (एजेंसी)। बिम्सटेक देशों में भारत का दबदबा बरकरार है। थाईलैंड में हो रहे छठवें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी ने सदस्य देशों को यूपीआई से जुड़ने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में व्यापार, कारोबार और पर्यटन को बढ़ावा मिल सकता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने बिम्सटेक चैंबर ऑफ कॉमर्स की स्थापना करने, वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन आयोजित करने और क्षेत्र में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की संभावनाएं तलाशने का भी प्रस्ताव रखा।

संबोधन की शुरुआत करते हुए पीएम मोदी ने सबसे पहले 28 मार्च को म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंप में हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए भारत में बिम्सटेक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। ताकि आपदा तैयारी, राहत और पुनर्वास पर सहयोग किया जा सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बिम्सटेक दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया को जोड़ने वाले पुल का कार्य करता है। यह क्षेत्रीय संपर्क, सहयोग और समृद्धि के नए रास्ते खोलने के लिए प्रभावी मंच के रूप में उभर रहा है। पीएम मोदी ने बिम्सटेक समूह के दायरे और क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने गृह मंत्रियों के तंत्र को संस्थागत बनाने की पहल की सराहना की। साथ ही भारत में पहली बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।

उन्होंने कहा कि यह मंच साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा खतरों, आतंकवाद और नशीली दवाओं और मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मैं इस वर्ष इसकी पहली बैठक भारत में आयोजित करने का प्रस्ताव करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें बिम्सटेक देशों के साथ डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) स्थापित करने में भारत के अनुभव को साझा करने में खुशी होगी।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) को बिम्सटेक क्षेत्र की भुगतान प्रणालियों के साथ जोड़ने का प्रस्ताव करता हूं। इससे व्यापार, उद्योग और पर्यटन को सभी स्तरों पर लाभ होगा। पीएम मोदी ने कहा कि मैं बिम्सटेक क्षेत्र में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन कराने का भी सुझाव देता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र, खुला, सुरक्षित और संरक्षित हिंद महासागर हमारी साझा प्राथमिकता है। आज हुए समुद्री परिवहन समझौते से व्यापारिक नौवहन और माल परिवहन में सहयोग मजबूत होगा। साथ ही व्यापार में तेजी आएगी। पीएम मोदी ने भारत में एक सतत समुद्री परिवहन केंद्र की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, कि यह केंद्र समुद्री नीतियों में क्षमता निर्माण, अनुसंधान, नवाचार और समन्वय पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह समुद्री सुरक्षा में सहयोग को भी बढ़ावा देगा।

थाईलैंड में हो रहे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भारत, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका और भूटान के नेता भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में समृद्धि, सुरक्षा और समावेशिता के प्रति साझा प्रतिबद्धता को साकार करने के लिए बैंकॉक विजन 2030 को अपनाया गया है।

बेमन से मोहम्मद यूनुस से मिले पीएम मोदी, मेजबानी के लिए बांग्लादेश को शुभकामनाएं दी

बैंकॉक । भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध बीते कुछ महीनों में खबर हुए हैं। कार्यवाहक सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस के चीन में भारत के नॉर्थ-ईस्ट को लेकर दिए गए बयान के बाद दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। इस बीच बिम्सटेक (बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) सम्मेलन में पीएम मोदी के बगल में यूनुस बैठे दिखाई दिए। दोनों के बीच दूरी भी दिखी। हालांकि इसके बावजूद पीएम ने अपने भाषण के अंत में बांग्लादेश को शुभकामनाएं दी। दरअसल, बिम्सटेक के अगले समिट का मेजबान बांग्लादेश है, इसके लिए पीएम ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

भारतीय सेना ने मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय सेना ने 03 और 04 अप्रैल, 2025 को ओडिशा के समुद्री तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) के सैन्य संस्करण के चार सफल उड़ान परीक्षण किए। मीडियम-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल के चार ऑपरेशनल फ्लाइट ट्रायल उच्च गति वाले हवाई लक्ष्यों के खिलाफ किए गए। इस दौरान मिसाइलों ने हवाई लक्ष्यों को रोका और उन्हें नष्ट कर दिया, जिससे उन पर सीधा हमला अचूक सिद्ध हुआ। परीक्षणों को लंबी दूरी, छोटी दूरी, उच्च ऊंचाई और निम्न ऊंचाई पर चार लक्ष्यों को इंटरसेप्ट करने के लिए किया गया, जिससे ऑपरेशनल क्षमता पुख्ता साबित हुई।

ये उड़ान परीक्षण हथियार प्रणाली को चालू हालत में रखकर किए गए थे। हथियार प्रणाली की प्रदर्शन क्षमता को रेंज उपकरणों जैसे रडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम द्वारा कैप्चर किए गए उड़ान डेटा के माध्यम से सत्यापित किया गया, जिन्हें चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज द्वारा तैनात किया गया था। सभी उड़ान परीक्षणों के दौरान डीआरडीओ और भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ये परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के मार्गदर्शन में भारतीय सेना की पूर्वी और दक्षिणी कमान द्वारा किये गए। इन परीक्षणों ने दोनों सेना कमानों की परिचालन क्षमता को सिद्ध कर दिया है और साथ ही दो रेजिमेंटों में हथियार प्रणालियों के परिचालन का मार्ग प्रशस्त किया है।

मीडियम-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल को भारतीय सेना के उपयोग के लिए डीआरडीओ और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। सेना के लिए मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली में बहु-आयामी रडार, कमांड पोस्ट, मोबाइल लांचर प्रणाली और अन्य वाहन शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योगों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि चार सफल परीक्षणों ने हथियार प्रणाली की क्षमता को महत्वपूर्ण दूरी पर लक्ष्यों को इंटरसेप्ट करने में फिर से स्पष्ट किया है।

रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग के सचिव तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने सफल उड़ान परीक्षण में शामिल दलों की सराहना की। उन्होंने इस सफलता को भारतीय सेना की परिचालन क्षमता विस्तार के लिए प्रमुख मील का पत्थर बताया है।

रामनवमी पर बंगाल में फिर बवाल,

शोभायात्रा का मार्ग बदलने से नाराज संगठन

कोलकाता। हावड़ा में रामनवमी के दिन अलग-अलग जगह से शोभायात्रा निकाली जाती है। हावड़ा में पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद व दुर्गा वाहिनी को रामनवमी पर जुलूस निकालने की अनुमति नहीं दी। पुलिस की ओर से जीटी रोड होते हुए जाने की अनुमति नहीं दी गई। दरअसल, 100 मीटर को लेकर सारा पेंच फंसा हुआ है। संगठन ने पुलिस द्वारा जारी दिशानिर्देश को कोलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। हालांकि, कोर्ट ने रामनवमी उत्सव समिति द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है। साथ ही कहा कि पुलिस द्वारा गाइड लाइन को फॉलो करें। विश्व हिंदू परिषद व दुर्गा वाहिनी ने बताया कि उनके पुराने रूट पर उन्हें शोभायात्रा निकालने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इन्हें काजीपाड़ा से फरसा रोड होते हुए रामकृष्णापुर गंगा घाट तक जाने की अनुमति दी जा रही है। विश्व हिंदू परिषद के संयोजक इंद्रदेव दूबे और दुर्गा वाहिनी की क्षेत्र संयोजिका रितु सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि प्रशासन की ओर से अनुमति नहीं दिए जाने पर इन लोगों ने भी कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आज कोर्ट में सुनवाई है। उम्मीद है कि राम भक्त ही जीतेंगे, उन्हें पुराने मार्ग से शोभायात्रा निकालने की अनुमति मिलेगी। हावड़ा में पुलिस ने रामनवमी की शोभयात्रा निकालने की अनुमति नहीं दी। पुलिस के इस रवैये पर भाजपा ने सत्तारूढ़ टीएमसी पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि बांकुरा शहर में रामनवमी जुलूस पुलिस द्वारा प्रस्तावित मार्ग से ही निकलेगा, जिसमें मस्जिद से बचने के लिए 100 मीटर का मार्ग परिवर्तन किया जाएगा। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने कहा कि राज्य प्रशासन द्वारा दिए गए मार्ग पर जुलूस निकालने में कोई समस्या नहीं है। इस सुनवाई के दौरान सरकारी वकील किशोर दत्त ने बताया, हमने पिछले तीन वर्षों से अपनाए जा रहे मार्ग के अनुसार ही अनुमति दी है।

'रिकॉर्ड कायम हुए बजट सत्र में' : रिजीजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने संसद के आज समाप्त हुए बजट सत्र में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर दोनों सदनों में रिकॉर्ड समय तक हुई चर्चा को ऐतिहासिक बताया और इसमें बिना स्थगन या हंगामा किये भाग लेने के लिए सभी राजनीतिक दलों के सांसदों को धन्यवाद दिया।

श्री रिजीजू ने संसद भवन परिसर में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक में लोकसभा में 14 घंटे से अधिक और राज्यसभा में लगभग 17 घंटे तक चर्चा हुई। लोकसभा में तीन अप्रैल को तड़के तीन बजे तक और राज्यसभा में आज सुबह चार बजे तक कार्यवाही चली और इसमें कोई बाधा या स्थगन नहीं हुआ। इस प्रकार से एक रिकॉर्ड कायम हुआ है। इससे पहले कभी किसी विधेयक पर इतनी लंबी चर्चा नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए वह सभी सांसदों एवं राजनीतिक दलों को धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा और लोकसभा में सरकार को अपेक्षा के अनुरूप ही वोट मिले हैं। राज्यसभा में एक दल ने अपने सांसदों को व्हिप जारी नहीं किया था और अंतरात्मा की आवाज़ पर वोट देने की छूट दी थी, जिस पर उसके सांसदों ने सरकार के पक्ष का समर्थन किया। यदि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने व्हिप जारी नहीं किया होता तो सरकार को ज्यादा समर्थन मिलता। उन्होंने दावा किया कि कई विपक्षी दलों के सदस्यों ने निजी तौर पर कहा है कि व्हिप का बंधन नहीं होता तो वे विधेयक का समर्थन करते।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के बयान को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह श्रीमती गांधी का व्यक्तिगत रूप से सम्मान करते हैं, लेकिन कांग्रेस के वक्तव्य में जबरदस्ती बुलडोज़ करके विधेयक पारित कराने की बात गलत है। सबने देखा है कि दोनों सदनों ने लंबी बहस की और सब संशोधन प्रस्तावों एवं मतदान के जरिये इसे नियमानुसार पारित किया गया है। इसलिए बुलडोज़ शब्द का इस्तेमाल अनुचित है।

वक्फ संशोधन बिल पारित होने के साथ ही देशभर में शुरु हुआ विरोध प्रदर्शन

-सड़कों पर उतरे मुस्लिम समुदाय के लोगों को पुलिस ने खदेड़ा

-यूपी हाई अलर्ट पर, कोलकाता और अहमदाबाद में पोस्टर जला किया गया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्यसभा में पारित होने के साथ ही देश में इसका विरोध प्रदर्शन भी शुरु हो गया। अनेक राज्यों में जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग विरोध स्वरुप सड़कों पर आ गए और प्रदर्शन किया। विरोध के चलते उत्तर प्रदेश के सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। संवेदनशील जगहों पर पुलिस अलर्ट पर है।

वक्फ संशोधन बिल के विरोध में गुजरात समेत पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, असम, तेलंगाना, कर्नाटक आदि राज्यों में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए।

गुजरात में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा

गुजरात के अहमदाबाद शहर में सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम सड़कों पर एकत्र हुए। विरोध प्रदर्शन कर रहे लोग वक्फ बिल वापस लो, रिजेक्ट यूसीसी लिखे पोस्टर-बैनर अपने हाथों में ले रखे थे। वहीं अनेक लोगों ने विरोध स्वरुप बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। यहां विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस ने लोगों को बल पूर्वक खदेड़ दिया और करीब 50 लोगों को हिरासत में ले लिया।

पश्चिम बंगाल में हजारों लोग सड़कों पर उतरे

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। वक्फ बिल के विरोध में कोलकाता स्थित पार्क सर्कस क्रासिंग में हजारों की भीड़ जुटी, जिनके हाथों में भी वक्फ बिल रिजेक्ट लिखे बैनर-पोस्टर थे। इसके अलावा कोलकाता के अन्य स्थलों में भी वक्फ बिल का विरोध हो रहा है। अनेक जगहों पर एकत्र लोगों ने वक्फ बिल लिखी तख्तियों को आग के हवाले किया है।

बिहार में भी वक्फ बिल के विरोध में लोग सड़कों पर उतरे हुए हैं। यहां तमिलनाडु में अभिनेता विजय की सियासी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने भी विरोध प्रदर्शन किया है। वक्फ बिल के खिलाफ रांची में भी हंगामा देखने को मिला है। विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि वक्फ बिल मस्लिम समुदाय के साथ ही देश के लिए भी सही नहीं है।

देश में चल रहे विरोध के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के तमाम 75 जिलों को पुलिस हाई अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस ने अनेक संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च भी किया है। हद यह है कि लखनऊ शहर में दरगाहों और मस्जिदों की निगरानी ड्रोन से की जा रही है। यूपी हाई अलर्ट पर है और कानपुर में पुलिस ने मार्च निकाला है। तेलंगाना में जुमे की नमाज के बाद लोगों ने वक्फ बिल का कड़ा विरोध किया। इस विरोध में बच्चे भी शामिल हुए। असम में वक्फ बिल के विरोध में लोगों ने प्रदर्शन किया है। वहीं कर्नाटक में वी रिजेक्ट वक्फ एमिंडमेंट के पोस्टर लिए लोगों ने विरोध किया है। वक्फ बिल को लेकर देश में विरोध प्रदर्शन बढ़ता जा रहा है। मुस्लिम समुदाय के लोग इसे देश के लिए भी सही नहीं मान रहे हैं और विरोध प्रदर्शन करने सड़कों पर उतरे हैं।

संक्षिप्त समाचार

व्यापारी ने लगाया दरोगा पर थप्पड़ मारने का आरोप- वीडियो वायरल

गोरखपुर , एजेंसी। कोतवाली थाने में तैनात एक दरोगा पर व्यापारी ने थप्पड़ मारने का आरोप लगाया। सीसीटीवी कैमरे में वारदात कैद हो गई है। आरोप है कि मंगलवार बंदी के दिन वह दुकान पर आए सामान को उतरवा रहे थे। इसी दौरान आए दरोगा ने थप्पड़ मार दिए। एसपी ने मामले में जांच का आश्वासन दिया है।

जानकारी के मुताबिक, कोतवाली थाना क्षेत्र के मियां बाजार स्थित अनन्या इलेक्ट्रॉनिक के मालिक अमित गुप्ता का कहना है कि मंगलवार को बंदी होने की वजह से बाजार में भीड़ नहीं थी। इस वजह से वह दुकान का सामान उतरवा रहे थे।

तभी कोतवाली थाने के दरोगा ने गाड़ी से उतरते ही मालिक अमित गुप्ता को बिना कारण पूछे थप्पड़ मार दिया। जब दुकान मालिक ने इसका विरोध किया तो उनके साथ गली गलौज शुरू कर दी। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है।

सट्टेबाज ने रची साजिश, बदमाशों को बुलाकर कराई थी घटना, बवाल के मामले में बड़ा खुलासा

बरेली , एजेंसी। बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र के गांव मुड़िया चावड़ में हुए बवाल में एक चर्चित सट्टेबाज की भूमिका सामने आ रही है। बताया जाता है कि उसी ने इस बवाल की साजिश रची थी। इसके लिए कैंट क्षेत्र से खुराफातियों को बुलाया था। अब पुलिस उसकी तलाश कर रही है। बता दें कि सोमवार रात मुड़िया में दो समुदाय के लोग आमने-सामने आ गए थे। उपद्रव के बाद आरोपियों ने पीलीभीत रोड पर जाम लगा दिया था। सितंबर में गांव से एक युवती के जाने के बाद से दोनों समुदाय के लोगों में तनातनी थी। सूत्रों के मुताबिक, चर्चित सट्टेबाज ने कॉल करके कैंट सदर, झील गौटिया, बुखारा, वीरांगना चौक और चैत गौटिया क्षेत्र के खुराफातियों को उपद्रव करने के लिए मुड़िया बुलाया था। सट्टेबाज से इन खुराफातियों की मुलाकात जेल में हुई थी।

बवाल के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उपद्रवी भागकर पीलीभीत रोड के आसपास खेतों में छिप गए। रात के अंतिम पहर में ये अपने घर पहुंचे थे। इनको बुलाने वाले सट्टेबाज पर पहले भी एक युवक पर कार चढ़ाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है। अब पुलिस ने 50 अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। इज्जतनगर पुलिस कैंट क्षेत्र के उपद्रवियों का भी पता लगा रही है।

होमगार्डों को अपशब्द कहने वाले इंस्पेक्टर के खिलाफ जांच शुरू

बरेली , एजेंसी। बरेली में मनमानी कार्यशैली और बेअंदाजी के लिए चर्चित इंस्पेक्टर भमोरा राजकुमार शर्मा अब होमगार्डों को अपशब्द कहने की वजह से चर्चा में आ गए हैं। होमगार्डों ने थाने में बगावती तेवर दिखाए तो मामला एसएसपी तक पहुंचा। उन्होंने एसपी दक्षिणी को जांच सौंपकर रिपोर्ट तलब की है।

मंगलवार को भमोरा थाने से जुड़ा यह अजीबोगरीब मामला सामने आया था। अतिरिक्त ड्यूटी लगाने पर 38 से अधिक होमगार्ड व प्लाटून कमांडर अपने कार्यस्थल नहीं पहुंचे थे। उन्होंने थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा पर गंभीर आरोप लगाकर नारेबाजी की थी। कहा था कि इंस्पेक्टर उन्हें नागरिकों के बीच अपशब्द कहते हैं और अभद्र व्यवहार करते हैं। होमगार्डों के साथ ही प्लाटून कमांडरों ने भी विरोध जताकर कंपनी कमांडेंट व उच्चाधिकारियों से शिकायत की है। प्लाटून कमांडर हृदेश कुमार सक्सेना, बृजेश शर्मा ने बताया कि थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा आए दिन उनकी ड्यूटी ऐसे स्थानों पर लगाते हैं, जो कि उनके पद के अनुरूप नहीं है। बगैर जानकारी दिए होमगार्डों की ड्यूटी लगाई जाती है। अतिरिक्त कार्य भी लिया जाता है। फूलों-पौधों की रखवाली कराई जाती है। एक भी फूल टूट गया तो एक दिन का वेतन काटने की बात कही जाती है। पांच मिनट लेट होने पर तस्करा डाल दिया जाता है। मुल्जिमों की ड्यूटी में तीन से चार घंटे अतिरिक्त समय लिया जाता है। थाना प्रभारी के सामने वे कुर्सी पर नहीं बैठ सकते। ऐसा हो भी जाए तो वह सिपाहियों से कहकर कुर्सी गिरवा देते हैं।

जम्मू कश्मीर में मुरादाबाद निवासी बीएसएफ जवान की मौत

अफसरों की सूचना के बाद परिजनों में मचा कोहराम

बिलारी (मुरादाबाद) , एजेंसी। डिलारी क्षेत्र के हौसपुरा निवासी बीएसएफ जवान राकेश सिंह (25) की जम्मू कश्मीर में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बीएसएफ अफसरों ने फोन कर परिवार को निधन की जानकारी दी। उनकी तैनाती कुपवाड़ा जिले के त्रेहगाम में थी। बेटे की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया।

बृहस्पतिवार दोपहर तक राकेश का पार्थिव शरीर गांव पहुंचने की संभावना है। हौसपुरा गांव निवासी भूप सिंह होमगार्ड हैं। उनके परिवार में पत्नी राजेश्वरी, बड़ा बेटा राजेश सिंह है। छोटे बेटे राकेश सिंह की एक अप्रैल 2021 को बीएसएफ में सिपाही पद पर भर्ती हुई थी। उनकी ड्यूटी जम्मू कश्मीर में चल रही थी।

होली की छुट्टी के बाद 17 मार्च को राकेश ड्यूटी पर चले गए थे। पिता भूप सिंह का कहना है कि बुधवार सुबह करीब साढ़े छह बजे उनके बड़े बेटे को जम्मू कश्मीर से बीएसएफ अफसर का फोन आया। उन्होंने बताया कि राकेश सिंह की मौत हो गई है। पिता का कहना है कि उन्हें यह बताया गया कि उनके बेटे ने खुद को गोली मार ली है।

सूचना मिलने के बाद से परिवार में कोहराम मचा है। ग्रामीण, रिश्तेदार भी उनके घर पहुंच गए। भूप सिंह ने बताया कि उन्होंने जम्मू कश्मीर आने की बात कही तो बीएसएफ अफसरों ने बताया कि वह पार्थिव शरीर लेकर खुद ही गांव आ रहे हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार दोपहर तक आने की जानकारी दी।

साथियों ने सुनी गोली की आवाज

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 139 बटालियन के कांस्टेबल राकेश कुमार का शव कैंप के भीतर खून से लथपथ मिला। गोली चलने की आवाज सुनाई दी और जैसे ही साथी जवान उस ओर भागे तो उन्होंने जमीन पर जवान को गिरा पाया। पास में ही सर्विस राइफल भी पाई गई। कश्मीर फ्रंटियर बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने भी मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि जवान ने सर्विस राइफल से आत्महत्या की है।

जिस दिन ज्वाइनिंग हुई उसी दिन मौत

राकेश सिंह ने एक अप्रैल 2021 को बीएसएफ में ज्वाइनिंग की थी। इसके बाद मध्य प्रदेश के इंदौर में ट्रेनिंग की। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद त्रिपुरा में पोस्टिंग मिली थी। दो साल तक यहां ड्यूटी की। अब एक साल से जम्मू कश्मीर में ड्यूटी चल रही थी। एक अप्रैल की रात में ही उनकी मौत हो गई।

16 फरवरी को आए थे घर

राकेश सिंह के पिता भूप सिंह ने बताया कि नवंबर में बड़े बेटे राजेश की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया था। उस समय राकेश घर आना चाहते थे, लेकिन अधिकारी ने छुट्टी नहीं दी थी। 16 फरवरी को 25 दिन की छुट्टी पर वह घर आए थे। 17 मार्च को यहां से चले गए थे। पिता ने बताया कि बड़े बेटे राजेश और बेटी रिंकी कुमारी की शादी हो चुकी है। अब छोटे बेटे राकेश की शादी करने की तैयारी चल रही थी।

जवान की मौत पर संशय

बीएसएफ जवान की मौत कैसे हुई, इसको लेकर संशय बना हुआ है। पिता का आरोप है कि बेटे को छुट्टी को लेकर एक अधिकारी परेशान कर रहे थे। उससे परेशान होकर ही बेटे ने आत्महत्या की होगी। वहीं एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह का कहना है कि बीएसएफ जवान की मौत की जानकारी मिली है। मौत कैसे हुई है, अभी यह स्पष्ट नहीं है। बीएसएफ के अधिकारी और जवान बृहस्पतिवार को शव लेकर आ रहे हैं।

प्रधान चुनाव की रंजिश में युवक की हत्या, साथी को भी मारी गोली, तीरथ हत्याकांड का लिया बदला

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के हस्तिनापुर में प्रधान चुनाव की रंजिश और सवा साल पहले हुए तीरथ हत्याकांड का बदला लेने के लिए बुधवार शाम गांव लतीफपुर में परमजीत सिंह उर्फ गुल्ला (35) की ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। हमले में गुल्ला के साथी गुरुमुख सिंह भी दो गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें गंभीर हालत में मेरठ मेडिकल में भर्ती कराया गया है। पुलिस हत्यारोपियों की तलाश में जुटी है।

हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के गांव लतीफपुर गांव के बाहर बुधवार शाम करीब पांच बजे बामनौली मार्ग पर देसी शराब के ठेके के समीप परमजीत उर्फ गुल्ला अपने साथी गुरुमुख के साथ दुकान पर बैठकर पकौड़े खा रहा था। तभी घात लगाए बैठे कुछ हमलावर बाइक पर सवार होकर पैदल मौके पर पहुंचे। आरोपियों ने परमजीत और गुरुमुख पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। परमजीत के सिर और गर्दन पर तीन गोलियां लगीं।

गुरुमुख को एक गोली छूते हुए निकल गई और दूसरी उसकी पीठ में धंस गई। हस्तिनापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को परिजनों की मदद से मवाना के निजी अस्पताल में पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने परमजीत उर्फ गुल्ला को मृत घोषित कर दिया। गुरुमुख को मेरठ रेफर कर दिया। एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा का कहना है कि सात आरोपियों के खिलाफ तहरीर मिली है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जाएगा।

थाने पहुंचकर प्रभु सिंह ने कहा- मुझे भी मारी गोली: वारदात के कुछ देर बाद पास ही के गांव किशनपुर निवासी एक वर्ष पूर्व गुरुद्वारे में मारे गए तीरथ सिंह का पिता प्रभु सिंह हस्तिनापुर थाने पर पहुंचा तथा परमजीत पर आरोप लगाया कि उसने उस पर भी गोली चलाई। पुलिस ने घटना को संदिग्ध मानते हुए प्रभु सिंह को हिरासत में ले लिया है।

परमजीत की पत्नी ने ग्राम प्रधान पर लगाया आरोप: परमजीत की पत्नी पायल कौर ने रोते हुए आरोप लगाया कि उनके पति की हत्या गांव के प्रधान गोरे उर्फ दिलदार ने कराई है। आरोप लगाया कि तीरथ सिंह की हत्या में उसके पति को ग्राम प्रधान ने नाम दर्ज किया था। जिसमें वह जेल गए थे चार महीने पूर्व नवंबर में परमजीत जमानत पर जेल से बाहर आए। इसके बाद ग्राम प्रधान जान से मारने की धमकी दे रहा था। परमजीत के सात वर्ष की बेटी और डेढ़ वर्ष का बेटा है।

गुरुद्वारा साहिब में की थी तीरथ की हत्या: किशनपुर निवासी तीरथ सिंह की 6 जनवरी 2024 की देर रात गुरुद्वारा साहिब के प्रांगण में हत्या की गई थी। प्रभु सिंह ने पांच के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।

2021 के ग्राम पंचायत चुनाव से शुरू हुई रंजिश : लतीफपुर में वर्ष 2021 में हुए ग्राम प्रधान पद के चुनाव में हुई रंजिश के कारण दो हत्याएं हो चुकी है। इस रंजिश में दो परिवार उजड़ गए। विकासखंड की ग्राम पंचायत लतीफपुर में ग्राम प्रधान सज्जन सिंह और दिलदार सिंह प्रधान पद के उम्मीदवार थे। दिलदार सिंह को चुनाव जीताने के लिए उसके जीजा के भाई तीरथ सिंह और सनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा था।

चुनाव नतीजे आए तो दिलदार सिंह ग्राम प्रधान बन गए। छह महीने बाद ही दिलदार सिंह के सबसे करीबी दोस्त गुरप्रीत उर्फ सनी ने दूरी बना ली। जिसने कहा था कि उसने दिलदार सिंह के लिए अपनी पत्नी के जेवर तक बेच दिए और अब चुनाव जीतने के बाद प्रधान उसे पैसे वापस नहीं दे रहे। इसके बाद उनकी दोस्ती धीरे-धीरे दुश्मनी में बदल गई। उधर, पूर्व प्रधान सज्जन सिंह चुनाव हार गए थे।

उन्होंने इस चुनाव का बदला लेने के लिए गुरप्रीत उर्फ सनी पर दांव चला। 2021 के बाद दिलदार सिंह ने चुनाव तो जीत लिया परंतु रंजिश चलती रही। 6 जनवरी 2024 को चुनाव का बदला लेने के लिए तीरथ सिंह की हत्या की गई। दोनों पक्षों की ओर से एक परिवार के व्यक्ति की मौत से दो परिवार उजड़ गए हैं। उधर, इन घटनाओं से अब ग्रामीणों में इस कदर भयभीत है कि कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

एनईआर मेगा ब्लॉक: 122 ट्रेनें रहेंगी निरस्त, गोरखधाम और एलटीटी एक्सप्रेस भी- 22 दिनों तक झेलनी पड़ेगी परेशानी

गोरखपुर। गोरखपुर जंक्शन से गोरखपुर कैंट स्टेशन के बीच प्री व नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए 12 अप्रैल से तीन मई तक 22 दिनों के लिए मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। यह पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से लिया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा ब्लॉक है।

इस अवधि में गोरखपुर जंक्शन पर यार्ड रिमॉडलिंग का काम भी होगा। इस अवधि में गोरखधाम और एलटीटी एक्सप्रेस समेत 122 ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इससे लखनऊ-दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, भोपाल, वाराणसी, प्रयागराज आदि की राह मुश्किल हो जाएगी। इन 22 दिनों तक यात्रियों को बड़ी परेशानी झेलनी पड़ेगी। हालांकि काम पूरा होने के बाद यहा तीन रेल लाइन होने से ट्रेनें सरपट दौड़ेंगी।

बीच स्टेशनों से चलेंगी 35 ट्रेनें: एलटीटी-गोरखपुर, हैदराबाद-गोरखपुर, गोरखपुर-अहमदाबाद, बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर, गोरखपुर-गोमतीनगर, नौतनवा-गोरखपुर सहित 35 ट्रेनों को बीच के स्टेशनों से संचालित किया जाएगा। जबकि, 10 ट्रेनों को एक से चार घंटे तक री-शेड्यूल कर चलाया जाएगा।

यार्ड से हटेगा आरआरआई केबिन: यार्ड में रिमॉडलिंग कार्य के तहत रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई) केबिन को प्लेटफॉर्म नौ के पास शिफ्ट किया जाएगा। नए भवन में स्थापित आरआरआई केबिन पूरी तरह से डिजिटल फॉर्म में होगा। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलाकिंग (ईआई) लगने से कंप्यूटर पर माउस क्लिक करते ही प्वाइंट बनेगा और ट्रेनों को सिग्नल दिया जा सकेगा। इससे सिग्नल और प्वॉइंट फेल होने की समस्या तो समाप्त होगी ही, अधिक से अधिक ट्रेनें भी चलाई जा सकेंगी।

पाठ्यक्रम में शामिल होगा ट्रैफिक नियमों का पाठ

शासन ने जिला प्रशासन को जारी किए निर्देश

कानपुर , एजेंसी। बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम में ट्रैफिक नियम का पाठ शामिल किया जाएगा। बेसिक स्कूलों में कक्षा आठ तक और माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा नौ से 12 तक की पढ़ाई होती है। छोटी उम्र से ही छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। इसके लिए शासन की ओर से निर्देश भी जारी हो गए हैं।

अभी तक विभिन्न जागरूकता रैलियों और कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी जाती रही है। यातायात नियमों की पढ़ाई को अनिवार्य पहली बार किया गया है। शासन की ओर से नए शिक्षण सत्र में इसका पाठ्यक्रम जोड़ने के निर्देश के बाद जिला प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इसके साथ ही स्कूल बस, वैन संचालकों व चालकों के लिए निर्देश भी जारी किए गए हैं। इसमें चालक, परिचालक की वर्दी, उनके कर्तव्य के बारे में बताया गया है। साथ ही ब्लैक स्पॉट पर सावधानियां बरतते हुए वाहनों की स्पीड 20 किलोमीटर प्रति घंटा रखने और ओवरटेक न करने की सलाह दी गई है। डीआईओएस अरुण कुमार ने बताया कि हादसों की रोकथाम के लिए छात्रों को यातायात के नियम सिखाए जाएंगे। इसलिए इसे पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। हादसों और जान गंवाने वालों के मामले में कानपुर प्रदेश में सबसे आगे है। पांच साल में जिले में 6,792 हादसे हुए। इनमें 2,999 लोगों की जान गई और 4,860 लोग घायल हुए। सबसे अधिक दुर्घटनाएं यातायात नियमों का पालन न करने, आमने-सामने भिड़ंत व तेज गति से वाहन चलाने से हुई हैं। प्रदेश के 20 जिलों में सड़क हादसों में होने वाली मौतों का आंकड़ा 42 प्रतिशत पाया गया है। हरदोई, मथुरा, आगरा, लखनऊ, बुलंदशहर, कानपुर नगर, प्रयागराज, सीतापुर, उन्नाव, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, बरेली, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कुशीनगर, बदायूं, मेरठ और बिजनौर शामिल हैं।

काशी का श्रीराम मंदिर: साल 1669 में ध्वस्त कराया, 1700 में फिर से बना; अब सीएम करेंगे पुनर्निर्माण का शिलान्यास

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले में खोजवां स्थित श्रीराम मंदिर ने 627 साल का इतिहास समेट रखा है। इस मंदिर का निर्माण 1398 में हुआ था और 1669 में औरंगजेब ने इसे ध्वस्त करा दिया। सन 1700 में फिर से मंदिर का निर्माण हुआ और अब इस मंदिर के पुनर्निर्माण की तैयारी है।

बृहस्पतिवार यानी आज आठ हजार स्क्वायर फीट में इस मंदिर के पुनर्निर्माण का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। जगद्गुरु रामकमलाचार्य वेदांती महाराज ने बताया कि केदारखंड में खोजवां का यह क्षेत्र काशी की अयोध्या के रूप में जाना जाता है। जगद्गुरु रामानंदाचार्य की प्रेरणा से उनके शिष्य अनंतानंदाचार्य ने कश्मीर से आकर 1398 में राममंदिर का निर्माण कराया था। उनके साथ कश्मीर से 17 शिष्य भी आए थे। इस मंदिर में स्वामी नरेंद्रदास रहे। गोस्वामी तुलसीदास ने पांच साल तक यहां रहकर अध्ययन किया। उनके हाथ से लिखीं पांडुलिपियां आज भी मौजूद हैं।

औरंगजेब ने 1669 में तोड़ा था मंदिर: 1669 में औरंगजेब ने जब काशी के मंदिरों को तोड़ा था, उसी दौरान इस मंदिर को भी ध्वस्त करा दिया था। मंदिर ध्वस्त करने के दौरान प्रस्तर की मूर्तियां तो टूट गईं लेकिन लक्ष्मी नारायण की मूर्तियां सुरक्षित रह गईं जो आज भी मौजूद हैं। वेदांती महाराज ने बताया कि उस दौरान भक्तों के भारी विरोध के कारण यहां पर मस्जिद नहीं बन सकी थी।

फिल्म स्पेशल 26 देखकर शुरू कर दी ठगी, कार पर लिखवाया यूपी सरकार

तीन फर्जी सेल्स टैक्स अफसर गिरफ्तार

मुरादाबाद , एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म स्पेशल 26 देखकर तीन दोस्त फर्जी सेल्स टैक्स अफसर बनकर छापा मारने लगे। सूट-बूट पहनकर उत्तर प्रदेश सरकार लिखी कार से कारोबारियों के प्रतिष्ठानों पर छापा मारते और कार्रवाई की धमकी देकर वसूली करते। बुधवार को तीनों ने कटघर क्षेत्र में स्क्रैप कारोबारी से 10 हजार रुपये वसूल लिए।

दूसरे कारोबारी के गोदाम पर छापा मारने पहुंचे तो शक होने पर कारोबारी ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने मौके से ही तीनों को दबोच लिया। तीनों आरोपी सिविल लाइंस की हिमगिरी कॉलोनी के रहने वाले हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कटघर थाना क्षेत्र के करूला इस्लाम नगर निवासी मो. इब्राहिम स्क्रैप कारोबारी हैं।

करूला में ही उनका स्क्रैप का गोदाम है। पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया कि सुबह करीब दस बजे वह अपने गोदाम में थे। तभी गोदाम के बाहर आकर बोलेरो कार रुकी। जिस पर उत्तर प्रदेश सरकार लिखा था। कार से तीन व्यक्ति उतरे। उन्होंने खुद को सेल्स टैक्स अफसर बताकर चेकिंग शुरू कर दी।

रजिस्टर के साथ ही गोदाम में भी माल चेक किया। आरोप है कि तीनों ने जीएसटी चोरी करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने और गोदाम को सील करने की धमकी दी और 10 हजार रुपये मांगे। रकम न देने पर कार्रवाई की धमकी देने लगे। पीड़ित से 10 हजार रुपये लेकर आरोपी चले गए।

इसके बाद आरोपियों ने ट्रांसपोर्ट नगर में मो. आरिफ के गोदाम पर छापा मारा। आरोपियों ने कारोबारी को डराया। शक होने पर कारोबारी ने मौके से हटकर पुलिस को सूचना दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। पुलिस सभी को थाने ले आई। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम सुमित सिंह, विनीत त्यागी और नीरज कुमार बताए।

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपियों से एक बोलेरो कार बरामद हुई है। आरोपी खुद को अफसर बताकर लोगों को डरा धमकाकर अवैध वसूली कर रहे थे। कारोबारी इब्राहिम की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरोपियों ने अब तक कितने लोगों से ठगी है।

तीनों आरोपी स्नातक, एक कार चालक: पकड़े गए तीनों आरोपियों ने स्नातक तक पढ़ाई की है। विनीत त्यागी निजी फाइनेंस कंपनी में नौकरी करता है। उसका साथी सुमित भी पहले फाइनेंस कंपनी में ही नौकरी करता था, लेकिन अब नौकरी छोड़ दी है। तीसरा साथी नीरज कुमार कार चालक है। नीरज ने ही अपनी बोलेरो कार पर उत्तर प्रदेश पुलिस लिखा रखा है।

आरोपियों को नहीं पता विभाग का सही नाम : फर्जी अफसर बनकर तीनों दोस्तों ने लोगों को ठगना तो शुरू कर दिया, लेकिन उन्हें यही नहीं पता था कि वह जिस विभाग के अफसर बनकर घूम रहे हैं, अब उस विभाग का नाम ही बदल गया है।

मुझे छूना नहीं...मैं किसी और की सुहागरात पर बीवी की बात सुन शौहर के उड़े होश, पुलिस से बोला- मुझे बचा लें

बरेली, एजेंसी। बरेली में निकाह के बाद घर आई दुल्हन ने सुहागरात पर अपने शौहर से ऐसी बात बोल दी, जिससे उसके होश उड़ गए। युवक का आरोप है कि बीवी ने उससे दूरी बना ली और कहा कि उसे छूना नहीं। अगर उसे छुआ तो वह जहर खा लेगी। युवक ने जब उसके घरवालों को यह बातें बताईं तो उन्होंने समझाने की बजाय उल्टे उसे ही धमकी दे डाली। पीड़ित ने बीवी और उसके भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बारादरी निवासी युवक ने बताया कि इसी साल जनवरी में उसका निकाह हुआ था। सुहागरात पर बीवी ने कहा कि मुझे छूना मत। तब उसे लगा कि बीवी का किसी और से अफेयर है। उसने तो माना भी वह किसी और से प्यार करती है। घरवालों के दबाव में आकर उससे शादी की है। बीवी ने यहां तक कहा कि मुझे छूना मत और यह बात किसी से बताना भी नहीं। तीन महीने तक उनके बीच यही स्थिति रही। पीड़ित युवक का आरोप है कि जब यह बात उसने बीवी के घरवालों को बताई तो उन्होंने उल्टे उसे ही धमकाया। यहीं नहीं, घर आकर गाली-गलौज भी की। पीड़ित ने बताया कि बीवी के घरवाले आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। वे उस पर बीवी को साथ रखने का दबाव बना रहे हैं।

जिलाधिकारी ने आज ग्राम बांजरपुर तहसील सदर में गेहूं की फसल की क्रॉप कटिंग का किया स्थलीय निरीक्षण

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा द्वारा आज तहसील सदर के ग्राम बांजरपुर में गेहूं की फसल की क्रॉप कटिंग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने किसान प्रमोद कुमार के खेत गाटा संख्या 159 में जाकर फसल की क्रॉप कटिंग के कार्य का निरीक्षण किया एवं निरीक्षण के दौरान 10 .10 .10 त्रिकोण मीटर के क्षेत्र की गेहूं की फसल को निकलवा कर क्रॉप कटिंग के मानक के अनुसार माप करवायी, जिसमें 19.600 किग्रा0 गेहूं निकला।

जिलाधिकारी ने बताया कि क्रॉप कटिंग सभी जनपदों में किए जाते हैं और इसमें रैंडम आधार पर कुछ खेतों को चुना जाता है, जिनकी उत्पादकता का आकलन त्रिकोणीय आकृति में खेत को काटकर उससे कितनी उत्पादकता हुई है, वह देखी जाती है। उन्होंने बताया कि क्रॉप कटिंग से दो लाभ होते हैं। प्रथम जनपद का जो औसत निकलता है उससे यहां की उत्पादन/उत्पादकता का पता चलता है और उसके आंकड़े शासन को भी प्रेषित किए जाते हैं। द्वितीय उत्पादन/उत्पादकता अगर कम होती है तो उन किसानों को जिन्होंने फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा करा रखा है, उन्हें फसल बीमा योजना के अंतर्गत लाभ दिया जाता है। इसलिए किसानों को ज्यादा से ज्यादा फसल बीमा कराना चाहिए।

इस अवसर पर अपर सांख्यिकी अधिकारी अलका चौहान, लेखपाल बांजरपुर चांदवीर सिंह, राजस्व निरीक्षक उदयवीर सिंह एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

यमुना जन्मोत्सव में वाईएसएस फाउंडेशन को किया सम्मानित

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सुर यमुना घाट पर आयोजित यमुना जन्मोत्सव कार्यक्रम में वाईएसएस फाउंडेशन को यमुना नदी और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।यमुना जन्मोत्सव कार्यक्रम के आयोजक कपिल गर्ग ने कहा कि युवाओं का पर्यावरण के प्रति जागरूक होना देश की विकासशीलता और अखंडता का प्रतीक है। वाईएसएस फाउंडेशन द्वारा जल एवं पर्यावरण संरक्षण के तहत 200 से अधिक अभियानों का संचालन किया गया है, जो सराहनीय है और जिससे अन्य युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि यमुना दिल्ली की जीवनरेखा है और जल्द ही अपने अस्तित्व में लौटेगी। उन्होंने इस अभियान में योगदान देने वाले सभी संस्थाओं और स्वयंसेवकों की सराहना की।वाईएसएस फाउंडेशन ने इस सम्मान के लिए आयोजकों का आभार प्रकट किया और भविष्य में भी यमुना नदी को स्वच्छ और संरक्षित करने के लिए अपने प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया। सचिन गुप्ता, दुर्गा प्रसाद दुबे, अजय चौहान, समर्थ, आकाश, स्वास्तिक एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

विधायक ने टॉस उछलकर महिला क्रिकेट T20 मैच शुभारंभ कराया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा : शुक्रवार को रबूपुरा स्थित नवनिर्मित रामोत्सव क्रिकेट मैदान में राष्ट्रीय स्तरीय महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का ळ20 मैच का शुभारंभ विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह ने टास उछाल कर शुभारंभ कराया, प्रारंभ क्रिकेट मैच वंडर्स क्रिकेट क्लब नोएडा और आरपीसीए गर्ल्स दिल्ली की महिला क्रिकेट टीम के बीच टी ट्वेंटी मैच खेला गया। जिसमें आरपीसीए की टीम ने वंडर्स क्रिकेट क्लब की टीम को छह विकेट से मात दी। यहां स्वर्गीय ठाकुर हीरी सिंह की स्मृति में आयोजित क्रिकेट मैच में टॉस वंडर्स क्रिकेट क्लब की कप्तान एकता भड़ाना ने जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। वंडर्स क्रिकेट क्लब की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित बीस ओवर में 112 रन का स्कोर बनाया। उनके लिए मुस्कान मलिक ने 40 और प्रीति शर्मा ने 20 रनों का योगदान दिया। टीम पूरे बीस ओवर भी नहीं खेल सकी और 19वे ओवर में ऑल आउट हो गई। आरपीसीए की गेंदबाज अश्मीत और पार्श्वी ने तीन तीन विकेट लिए। जवाब में 113 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरपीसीए टीम की कप्तान नजमा (48 रन नाबाद) की बदौलत जीत का लक्ष्य 18 वे ओवर में हासिल कर लिए और अभी उनके केवल चार विकेट ही आउट हुए थे। इस तरह यह मैच आरपीसीए की टीम ने छह विकेट से जीत लिया। उनकी जीत में बल्लेबाज तनिष्का सिंह ने 30 रनों का योगदान दिया। आरपीसीए गर्ल्स की अश्मीत को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच से पहले रामोत्सव क्रिकेट मैदान का शुभारंभ करते हुए जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि ग्रामीण अंचल में भी क्रिकेट प्रतिभाओं की कमी नहीं है। लेकिन यहां कोई मैदान न होने की वजह से खिलाड़ियों को सही प्रशिक्षण सुविधाएं नहीं मिल पा रही थीं। इसको देखते हुए वीवो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सहयोग से इस क्रिकेट मैदान का निर्माण किया गया है। उम्मीद है कि इससे ग्रामीण खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि जल्दी ही मैदान पर डे नाइट क्रिकेट टूनामेंट का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान नगर पंचायत रबूपुरा चेयरमेन शशांक सिंह, एसीपी सार्थक सेंगर, सामाजिक चिंतक व पत्रकार नंद गोपाल वर्मा, आयुष्मान सिंह, रिपु दमन सिंह, अमित कौशिक, गुल्लू गर्ग, श्यामवीर भाटी आदि मौजूद रहे।

भंगेल एलिवेटेड रोड के बने सड़क,नोवरा ने की मांग

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट के मुख्य कार्यालय सेक्टर 108 जिसे पहले नोएडा ट्रैफिक पार्क के लिए बनाया गया था और जिसमें बच्चों हेतु एक बहुत बड़ा पार्क बनाया गया है , इसमें दर्जनों झूले ,एक टॉय ट्रैन आदि लगाए गए थे जिनका कमिश्नरेट बनने के बाद हाल खराब हो चुका है।इस बाबत नोएडा विलेज रेसिडेंट्स एसोसिएशन ने विधायक पंकज सिंह के समक्ष यह मांग रखी की खराब और जर्जर होते हुए झूलों को शहर के सरकारी विद्यालयों में स्थानांतरित किया जाए।जिससे उनका सदुपयोग हो सके ,संस्था के अध्यक्ष रंजन तोमर और महासचिव पुनीत राणा ने यह मांग आज एक मुलाकात में उठाई।इसके अलावा जीर्ण शीर्ण पड़े इस पार्क का जीर्णोद्धार भी किया जा सकता है जिसमें स्कूली बच्चों को ट्रैफिक सम्बन्धी जानकारी दी जा सकती है। इससे यहाँ लाखों रुपए में बनी टोय ट्रैन जिसका एक ट्रैक भी बनाया गया है का भी उपयोग हो सकेगा।साथ ही पुलिस के बड़े अधिकारीयों की उपस्तिथि में बच्चों को प्रेरणा भी प्राप्त हो सकेगी।पंकज सिंह ने इस बात को आगे प्रेषित कर कार्यवाही की बात नोवरा पदाधिकारियों से की।भंगेल एलिवेटेड रोड के नीचे जल्द से जल्द सड़क बनवाने का मुद्दा भी नोवरा द्वारा उठाया गया , बरसात आने पर फिर कई माह यहाँ के लोग परेशानी झेलेंगे , एलिवेटेड रोड के नीचे का ज्यादातर काम समाप्त हो चुका है और अब आसानी से सड़क निर्माण किया जा सकता है , विधायक ने इसपर अपनी सहमति जताई और अधिकारीयों को निर्देशित करने की बात कही।

वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे चेनपाल प्रधान

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। संविलय विद्यालय बिरौडा ग्रेटर नोएडा स्कूल में वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में भाजपा नेता चेनपाल प्रधान मौजूद रहे। वार्षिक आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।समारोह में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जिसकी प्रशंसा बच्चों के माता माता पिता व दर्शकों ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने वार्षिक उत्सव बच्चों को परीक्षा पत्र व पुस्तक वितरण की गयी। इस मौके पर प्रधान अध्यापिका सावित्री गुप्ता व स्कूल के समस्त अध्यापक अध्यापिकाएं मौजूद रही।

पति ने की पत्नी की हथौड़ा मारकर हत्या,चरित्र पर शक बनी वजह

फ्यूचर लाइन टाईम्स-धीरेन्द्र अवाना नोएडा। नोएडा के सेक्टर 15 में आज उस वक्त सनसनी मच गयी जब एक युवक ने अपनी पत्नी की हथौड़ा मारकर हत्या दी। मौके पर पहुंची फेस वन पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी पत्नी चरित्रहीन थी। पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम रामबदन सिंह ने बताया कि सेक्टर 15 के सी- ब्लॉक में रहने वाली 52 वषीर्या आसमा को उनके पति नुरुल्लाह हैदर ने शुक्रवार दोपहर को हथौड़े से सिर पर वार करके लहूलुहान कर दिया। इस घटना में उनकी मौत हो गयी।पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस पूछताछ में आरोपी पति ने बताया है कि उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था।बता दे कि आरोपी की पत्नी सेक्टर 62 स्थित एक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रुप में काम करती थी।वही आरोपी मौजूदा समय में बेरोजगार था।

भूमि पूजन के साथ श्रीमद् भागवत कथा की तैयारियों का शुभारंभ

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के मार्गदर्शन में आगामी 13 अप्रैल से 19 अप्रैल 2025 तक रामलीला ग्राउंड, सेक्टर पाई, ऐच्छर, ग्रेटर नोएडा में भव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। इसी उपलक्ष्य में 4 अप्रैल 2025 को कथा स्थल पर पारम्परिक वैदिक अनुष्ठानों के साथ भूमि पूजन कर पवित्र आधारशिला रखी गई। इस धार्मिक अनुष्ठान के साथ कथा की तैयारियों का औपचारिक रूप से शुभारंभ हुआ। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान, जो दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी द्वारा स्थापित एवं संचालित है, एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी आध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्था है। इसकी 350 से अधिक शाखाएँ विश्वभर में कार्यरत हैं। संस्थान द्वारा श्रीमद् भागवत कथा, श्री राम कथा, श्री कृष्ण कथा, गौ कथा और अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। संस्थान के विभिन्न सामाजिक प्रकल्प जैसे मंथन (अभावग्रस्त बच्चों के लिए सम्पूर्ण शिक्षा), अंतर्दृष्टि (नेत्रहीन एवं विकलांग सहायता), आरोग्य (स्वास्थ्य कार्यक्रम), बोध (नशा उन्मूलन), कामधेनु (गौ संरक्षण एवं संवर्धन), संरक्षण (पर्यावरण संरक्षण) एवं संतुलन (लिंग समानता) समाज को लाभान्वित कर रहे हैं। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि सौरभ अग्रवाल, पारुल अग्रवाल, अनिल राणा, देवेन्द्र नागर, चैनपाल, शेखर, आनंद भाटी, रवि भाटी और अनूप कंसाना उपस्थित रहे। संस्थान के बारे में अधिक जानकारी के लिए आप इसकी वेबसाइट www.djjs.org पर जा सकते हैं।

सीआईएसएफ का साइक्लोथॉन संपन्न देश के 11 राज्यों में 6553 किमी. दूरी की तय

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा : केंद्रीय अ औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने अपने 56वें स्थापना दिवस पर शुरू की गई ग्रेट इंडियन कोस्टल सायक्लोथॉन का समापन कन्याकुमारी के स्वामी विवेकानंद रॉक मेमोरियल में किया। सीआईएसएफ महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी के अगुआई में आयोजित यह सायक्लोथॉन सुरक्षित तट, समृद भारत की थीम पर आधारित इस सायक्लोथॉन में 125 साइक्लिस्ट्स, जिसमें 14 महिलाएं शामिल थीं, ने 7 मार्च से 31 मार्च तक 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 6,553 किलोमीटर की दूरी तय की। यह भारत की मुख्यभूम की पूरी तटरेखा को पार करने वाली पहली सायक्लोथॉन थी, जिसमें 2.5 करोड़ से अधिक लोग जुड़े। बल के तट प्रवक्ता ने बताया कि 7 मार्च को गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु के तक्कोलम से इसकी शुरूआत की। पूर्वी और पश्चिमी तटों से दो टीमो ने यात्रा शुरू की और 25 दिनो में कन्याकुमारी पहुंची। इस दौरान पारादीप पोर्ट कोणाक सूर्य मंदिर, गेटवे ऑफ इंडिया जैस स्थानो पर भव्य स्वागत हुआ। 30 लाख लोगों ने रैलियो और जागरूकता कार्यक्रमो में हिस्सा लिया। इस पहल का उद्देश्य तटीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समुदायों को जोड़ना था। तटीय समुदायों को तट प्रहरी के रूप में सशक्त बनाने का प्रयास.. ने समापन समारोह में कहा कि यह अभियान तटीय समुदायों को तट प्रहरी के रूप में सशक्त बनान ने का प्रयास है। अपनी सुरक्षा केंद्रित उद्देश्य के अलावा, इस साइक्लोथॉन का उद्देश्य य भारत के आंतरिक क्षेत्र के समुदायों को देश के मनमोहक तट से जोड़ना भी था। यह तटीय समुदायो की जीवंतता, उनके वनस्पति और जीव-जंतु, तथा उन अनूठी सांस्कृतिक परंपराओं को उजागर करने का एक अवसर था, जो भारत की तटीय पहचान को परिभाषित करती हैं। इसी कारण इसे देश के प्रमुख हस्तियो ने इसका समर्थन दिया, जिनमे नीरज चोपड़ा, मनु भाकर, एम.एस. धोनी, सुनील गवास्कर, अक्षय कुमार, रजनीकांत, मोहनलाल, पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी, ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवर्ति पारिदा, और सुदर्शन पटनायक शामिल हैं। साइक्लिस्ट्स को एक महीन के कठिन प्रशिक्षण से तैयार किया गया। कन्याकुमारी मे समापन राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का प्रतीक बना। यह सायक्लोथॉन सीआईएसएफ की तटीय सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और एक सुरक्षित, समृद भारत के लिए सामुदायिक सहयोग को रेखांकित करता है।

पारण के पश्चात चार दिवसीय छठ पूजा महापर्व का समापन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। अखिल भारत हिन्दू महासभा और अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि आज प्रातःकाल चैत्र शुक्ल सप्तमी को छठव्रतियों ने उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया।सूर्योदय से पूर्व छठव्रती और उनके परिवार के सदस्य सिर पर प्रसाद से भड़ा सूप,डाला और दौरा लेकर श्रद्धालु घर से चलकर छठघाट पर आये। सूर्योदय होते ही छठव्रतियों ने घाट में प्रवेश कर और हाथ में प्रसाद से भड़ा सूप, डाला, दौरा आदि लेकर उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया।अन्य उपस्थित श्रद्धालुओं ने गौदूध से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।अर्घ्य अर्पित करने के उपरांत छठव्रतियों ने छठघाट पर बने सूर्यपिंड के निकट बैठकर भगवान भास्कर और छठमाता की पूजा-अर्चना की।पूजा के उपरांत छठव्रतियों द्वारा पारण किया गया।छठव्रतियों द्वारा प्रसाद ग्रहण करने के बाद घर के सभी सदस्यों, पड़ोसियों और सभी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।इसके साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो गया। अखिल भारत हिन्दू महासभा और अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि छठपूजा करने से छठव्रतियों और उनके परिवार के सदस्यों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं और सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।बिहार, पूर्वी उत्तरप्रदेश, झारखंड,बिहार से सटे हुए पश्चिम बंगाल के कई जिलों,हिंदुस्तान और दुनिया के सभी शहरों में छठ पर्व धूमधाम से मनाया जाता है।नेपाल,मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, वेस्टइंडीज,ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में छठपर्व हर्षोल्लास और पारम्परिक तरीके से मनाया जाता है।यह भगवान सूर्य की उपासना और भक्ति का महान लोकपर्व है।यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और कार्तिक महीना में मनाया जाता है।दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा,गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद सहित दिल्ली-एनसीआर के शहरों में लाखों श्रद्धालु इस महान पर्व को धूमधाम से मनाते हैं।

विश्व के पहले मनु महोत्सव का ग्रेटर नोएडा में हुआ शुभारंभ

फ्यूचर लाइन टाईम्स

ग्रेटर नोएडा। यहां स्थित प्राचीन गुरुकुल सिकंदराबाद की शाखा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेरली के प्रांगण में विश्व का पहला मनु महोत्सव आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के तत्वावधान में पूरी भव्यता के साथ प्रारंभ हो गया है। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के अध्यक्ष डॉ राकेश कुमार आर्य ने बताया कि इस प्रथम दिवसीय सत्र में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। जिन्होंने अपने ओजस्वी वक्तव्य में कहा कि महर्षि मनु ऐसे वैज्ञानिक चिंतन के धनी ऋषि हुए हैं जिनके वैज्ञानिक चिंतन के बाहर जाकर कोई भी व्यवस्था अपना कार्य नहीं कर सकती और यदि करेगी तो वह विध्वंस को ही आमंत्रित करेगी। उन्होंने कहा कि संसार के जितने भर भी संविधान आज कार्य कर रहे हैं उन सब पर महर्षि मनु के चिंतन का व्यापक प्रभाव है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज ही ऐसे मंच उपलब्ध करा सकता है जिन पर महर्षि मनु के वैज्ञानिक चिंतन का विश्लेषण समाज हित में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज महर्षि मनु के चिंतन का विस्तार करने की आवश्यकता है। यदि हम वास्तव में एक सुसंस्कृत राष्ट्र की अवधारणा को विकसित होते हुए देखना चाहते हैं तो महर्षि मनु का चिंतन ही हमारा मार्गदर्शन कर सकता है। कार्यक्रम को ऊंचाई देते हुए आर्य जगत के सुप्रसिद्ध विद्वान स्वामी चेतन देव वैश्वानर ने महर्षि मनु के व्यापक चिंतन पर अपना गहन चिंतन मंथन प्रस्तुत कर सभी को गदगद कर दिया। उन्होंने महर्षि मनु की अनेक व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए यह स्पष्ट किया कि महर्षि मनु पर लगाए गए सारे आरोप निराधार हैं। उन पर जातिवाद को बढ़ावा देने के आरोप को खारिज करते हुए पूज्य स्वामी जी महाराज ने कहा कि महर्षि मनु ने वैदिक चिंतन को आगे बढ़ाया। जिसमें कहीं पर भी जातिवाद नहीं है। स्वामी जी महाराज ने कहा कि जाति का निर्माण केवल ईश्वर के अधीन है। उसे किसी मनुष्य के द्वारा नहीं बनाया जा सकता।

इसी क्रम में आर्य जगत के सुप्रसिद्ध विद्वान आचार्य सत्यव्रत ने भी अपना विद्वत्तापूर्ण संबोधन देते हुए कहा कि महर्षि मनु विश्व के आदि संविधान निमार्ता है जिन्होंने स्वयं को भी विधि के अधीन रखकर यह सिद्ध किया कि राजा विधि से ऊपर नहीं है। कार्यक्रम में प्राचार्य गजेंद्र सिंह ने विशिष्ट वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संसार और समाज की सारी व्यवस्था महर्षि मनु के उपदेशों के अधीन ही कार्य कर रही है। कुछ स्वार्थी तत्वों ने निहित स्वार्थ में महर्षि मनु के चिंतन को भ्रष्ट करने का कार्य किया है, लेकिन आज आर्य समाज ने ऐतिहासिक पहल की है, जब महर्षि मनु को समर्पित यह मनु महोत्सव यहां आयोजित किया जा रहा है।

इससे पूर्व आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के प्रधान और सुप्रसिद्ध इतिहासकार डॉ राकेश कुमार आर्य ने बीज भाषण में यह स्पष्ट किया कि बौद्धिक चिंतन के माध्यम से नई वैचारिक क्रांति का शुभारंभ करने के लिए आर्य समाज ने जिस ऐतिहासिक कार्य को अपने हाथों में लिया है उसका कार्य रुकने वाला नहीं है। क्योंकि यह दयानंद के दीवानों का समाज है, जिन्होंने देश की राजनीतिक स्वाधीनता के लिए काम किया और अब वह वैचारिक क्रांति के माध्यम से बौद्धिक दासता के बंधनों को तोड़ने के लिए कृत संकल्पित हो उठा है। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के द्वारा किया गया। जिसे कार्यक्रम के अध्यक्ष देव मुनि जी, उगता भारत समाचार पत्र के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह आर्य, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रबंधक ओमवीर सिंह भाटी, गुरुकुल मुर्शदपुर के प्रबंधक विजेंद्र सिंह आर्य आदि द्वारा संपन्न कराया गया। इस अवसर पर आर्य वीर दल उत्तर प्रदेश के सचिव आर्य वीरेश भाटी , इंजीनियर श्यामवीर सिंह भाटी, आर्य समाज सूरजपुर के प्रधान मूलचंद शर्मा, कमल सिंह आर्य ,दिवाकर आर्य, रंगीलाल आर्य, सतीश आर्य, धर्मवीर सिंह आर्य, रमेश आर्य, बाबूराम आर्य , महावीर सिंह आर्य, प्रभाकर आर्य, अनार सिंह आर्य, जीत सिंह आर्य, सुशील आर्य आदि की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन वैदिक विद्वान आर्य सागर द्वारा किया गया।

नाम परिवर्तन नोटिस

यह सूचित किया जाता है कि मैं, श्रीमति कमलेश पत्नी श्री चंद्रपाल , निवासी ग्राम एवं पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश अपने आधार कार्ड में दर्ज नाम "रूमलेस" को सही करते हुए "कमलेश" करना चाहती हूँ।

मेरे आधार कार्ड का वर्तमान नंबर 3418 6623 4391 है, और मेरे द्वारा किया गया यह नाम परिवर्तन पूरी तरह से स्वेच्छा एवं सत्य के आधार पर है।

यदि किसी व्यक्ति, संस्था या विभाग को इस नाम परिवर्तन से कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर अपने आपत्ति को प्रस्तुत कर सकते हैं।

धन्यवाद।

नामः रूमलेस (कमलेश संशोधित नाम)
आधार कार्ड नंबरः 3418 6623 4391
दिनांकः 17 मार्च 2025

नीतीश कुमार ने फिर सीएम की राह पर

संजय गोस्वामी

वैसे भी बिहार में जब भी सत्ता और सियासत की बात चलती है तो वहां बाहुबलियों का जिक्र जरूर होता है। ये बाहुबली जब तक कुर्सी पर रहे सत्ता के केंद्र में छाए रहे। ऐसे में बीजेपी टिकट देकर अपनी छवि खराब नहीं करना चाहेगी और बिहार में जब ढेरों परियोजना का एनडीए द्वारा शुभारम्भ हुआ है तो सत्ता भी नहीं जाने देगी और जद(यू) को संजीवनी देकर एनडीए सरकार को बनाए रखना चाहेगी ताकि बिहार में इन्वेस्टमेंट हो और रोजगार मिल सके। अतः बिहार में बहार है जब तक नीतीश कुमार है। क्योंकि बिहार में अभी भी नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के नाम से जाना जाता है।

बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए तमाम सियासी दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। बिहार में इस बार का चुनाव भी मुख्यै तौर पर दो धड़ों के बीच है। एक तरफ सत्तापरूढ़ एन डीए है तो दूसरी तरफ महागठबंधन है। 30मार्च 25 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एनडीए के बाकी साथियों की मीटिंग हुई। इसमें सभी की आमराय है कि बिहार का विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के ही नेतृत्व में लड़ा जाएगा इससे पहले हाल में ही बिहार में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार न को भागलपुर में पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी करने के कार्यक्रम में बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अब इधर-उधर नहीं जाएंगे, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार का विकास करेंगे। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को लेकर काफी चर्चा हो रही है नीतीश कुमार वो शख्शियत है जो किसी के कारण नहीं अपने काम के लिए जाने जाते हैं क्योंकि जब लालू यादव की सरकार थी तो सरेआम बिहार में लूटपाट हिंसा, अपहरण, फिरौती, गुंडा गर्दी व किचरों से लहूलुहान सड़क, जुआ, रंगदारी इस कदर हावी थी कि किसी और का डर से वोट डालना भी मुश्किल है लेकिन जब 2005 में एनडीए की सरकार आयी तो खराब स्तिथि को सुधारना एक मुश्किल काम था जो बाद में नीतीश कुमार की सरकार ने दिखा दिया कि लूटा हुआ बिहार फिर चमकने लगा अतः बिहार में जद(यू) अगले विधानसभा चुनाव तक पुरी मजबूती से टिके रहेगी इसका कारण यह है की बिहार का राजनीति समीकरण ऐसा है कि वहाँ मुख्य रूप से तीन पार्टी है जो इस प्रकार है बीजेपी, आरजेडी व जद (यू) जब भी कोई दो पार्टी मिलती है तभी सरकार बनती है वहाँ का जातियों का समीकरण ही कुछ इसी तरह का है बीच में लोजपा भी है और जो दो गुटों में है वो भी इधर मजबूत हो रही है और खासकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जो किसी का भी खेल बिगाड़ सकती है क्योंकि वहाँ जीत का मार्जिन बहुत ही कम वोटो के अंतर से होता है और बीजेपी 2015 के विधानसभा में अपने कुछ छोटी छोटी सहयोगी पार्टियों के सहारे केवल 55सीट पर सिमट गई थी और जद (यू) व आरजेडी को 71 व 80सीट मिले थे बिहार के मुख्यमंत्री को इतनी आसानी से समझना किसी के बस की बात नहीं है यदि कहीं वो फिर से पाला बदलेंगे तो बीजेपी अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती है क्योंकि आज भी मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का

अच्छा जनाधार है एक बार जब जद (यू) व आरजेडी का गठबंधन बना था तो मैं रिक्शा से रिक्शावाला से पूछा कि क्या भाई आप किस को वोट दे रहें हैं कहा देना तो था लालूजी को लेकिन जब गठबंधन बना है तो जद (यू) को ही सब मिलकर वोट करेंगे अतः जब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में हैं तो ऐसे में बीजेपी कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहेगी वहाँ अभी भी बाहुबली का राज है तभी तो लोकसभा में जेल से पेरोल पर चुनाव में बुलाया गया और बीजेपी भी जद (यू) को तोड़ने का कोई प्रयास नहीं करेगी क्योंकि अगर उसे तोड़ दी तो उसी का नुकसान हो सकता है क्योंकि बाहुबली सब आरजेडी या निर्दलीय चुनाव लड़ कर एक अच्छा वोट बैंक ला सकती है नीतीश कुमार पाला बदलने में माहिर हैं इसलिए इन सब बदलाव पर कुछ बोल नहीं रहें है लेकिन पर्दे के पीछे उन्हें भी पार्टी के बारे में मालूम हो रहा होगा चूंकि केंद्र में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं है और सरकार एनडीए की है अतः कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहेगी क्योंकि श्री नीतीश कुमार जब सारा विपक्ष को एक कर दी थी ऐ सही बात है कि इंडिया गठबंधन के लोगों ने उन्हें भाव नहीं दिया और पाला बदलकर पुनः एनडीए में शामिल हो गए नीतीश कुमार को जब लगा कहीं जद(यू) में टूट होकर कहीं पीएम के चक्कर में सीएम की कुर्सी भी तेजस्वी को ना चला जाए तो प्रधानमंत्री मोदीजी के पास अन्य लोगों के माध्यम से लोकसभा चुनाव हेतु लगा कि जद (यू) की सीट आरजेडी और कॉग्रेस व अन्य के साथ गठबंधन से 4 से 5 सीट से ज्यादा नहीं मिलेगा और ऐसे में जद(यू) का वजूद ना खत्म हो जाए तभी बीजेपी को भी लगा अकेले अधिक सीट मिलना मुश्किल है तो एनडीए में जद(यू) प्रधान मंत्री श्री मोदीजी के कहने पर ही शामिल हो गई और उसे सम्मानजनक सीट मिला और आरजेडी देखते रह गई और एनडीए ने चिराग और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को मिलकर चुनाव लड़े और बिहार के 40सीट में से एनडीए को बिहार में 40 सांसदों के चुनाव में । बीजेपी , 17। जद (यू), 16, ।एलजेपी , 6 हम 1सीट,आरएलएम यानि एन डी ए ने कुल 40 सीट पर उम्मीदवार उतारा और जिसमें से बीजेपी , 12 जद (यू), 12, ।एलजेपी , 5 और हम 1सीट यानि कुल 30 सीट झटक लिए जिसमें जद यू को 16 में से 12सीट मिला कुछ सीटों पर बहुत टफ फाइट था कुछ मुस्लिम बाहुल्य इलाका है जहाँ जद (यू) सीट लेती है अतः नीतीश कुमार जब तक हैं पार्टी आराम से चलेगी क्योंकि बीजेपी में स्व सुशील मोदी जैसा कोई चेहरा नहीं जो सीट ले सके और जनाधार नीतीश कुमार जैसा नहीं है जंगलराज से बिहार को बाहर लाने में जिस तरह नीतीश कुमार ने बिहार को निकाला है वैसे में जद(यू) के अस्तित्व पर फिलहाल कोई खतरा नहीं दिख रहा है अब जब पुल के बारे में एनडीए में बीजेपी कुछ नहीं बोलती है तो कुछ समय बाद उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ के सी त्यागी को भी सोच समझ कर बोलना चाहिए खासकर उससमय जब चुनाव परिणाम के बाद सब की धड़कन रूकी थी तभी उनका बयान आता है कि श्री नीतीश कुमार को पीएम पद का ऑफर मिला था और बाद में राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद से हटा दिया गए और तभी तेजस्वी यादव उसका मजाक उड़ाते नजर आते हैं कि ऐसा कोई बयान नहीं आया था ऐसे में पार्टी के अंदर लगता है अनर्थ हो रहा है अब जब श्री ललन सिंह जद यू के कैबिनेट मंत्री बन गए और विपक्ष का संसद में मुँह बन्द कर देते हैं वैसा तालमेल की कमी पार्टी को लगी होगी और फिर अग्निवीर और जातीय जनगणना पर बेबजह बोलने लगते हैं तो विरोधाभास होने लगता है जंगल त्याग खत्म तो बिहार से लगभग खत्म हो गया लेकिन बाहुबली का दबदबा अभी भी बिहार में है जैसे श्री आनंद मोहन जिसके लिए श्री नीतीश कुमार ने उम्र कैद की सजा को जेल मैनुअल बदल कर जेल से निकाले और जद (यू) ने उनकी पत्नी लवली आनंद को चुनाव में उतारा और जीत मिली और बीजेपी को भी जब जद यू के नेतृत्व में पुनः सत्ता में 2024 में गठबंधन हुआ तो आनंद मोहन के बेटे चेतन आंनद ने विधानसभा में स्पीकर के विपक्ष में वोट किया और ठाठ से विरोधी दल को दरकिनार कर सत्ता पक्ष में बैठे जबकी वो आरजेडी के विधायक थे ऐ खेल उस समय हुआ जब आनंद मोहन जेल से रिहा होने के बाद लालू जी से मिलने गए और उसने मिलने से मना कर दिया और इधर उनके राज्य सभा के सांसद मनोज झा ने पार्लियामेंट में ठाकुर का कुँआ।। और बाद में उस कविता में सीना ठोक कर कहा -अपने अंदर से मारो ठाकुर को, उनके इस बयान से लालू जी खुश हुए और कहा कि मनोज झा विद्यवान हैं काफी पढ़े लिखें हैं इससे न सिर्फ आंनद मोहन में गुस्सा हुआ पूरा राजनीती क्रम ही बदल गया,एक औ? बाहुबली अनंत सिंह उर्फ छोटे सरकार पटना से सटे मोकामा में रॉबिनहुड की छवि रखते हैं। अनंत सिंह को एके 47 कांड में सजा हुई जिसके बाद उन्होंने अपनी विधायिकी गंवा दी। लेकिन मोकामा सीट पर उपचुनाव में इनकी पत्नी ने विधायक की कुर्सी बरकरार रखी।वैसे भी बिहार में जब भी सत्ता और सियासत की बात चलती है तो वहां बाहुबलियों का जिक्र जरूर होता है। ये बाहुबली जब तक कुर्सी पर रहे सत्ता के केंद्र में छाए रहे। ऐसे में बीजेपी टिकट देकर अपनी छवि खराब नहीं करना चाहेगी और बिहार में जब ढेरों परियोजना का एनडीए द्वारा शुभारम्भ हुआ है तो सत्ता भी नहीं जाने देगी और जद(यू) को संजीवनी देकर एनडीए सरकार को बनाए रखना चाहेगी ताकि बिहार में इन्वेस्टमेंट हो और रोजगार मिल सके। अतः बिहार में बहार है जब तक नीतीश कुमार है। क्योंकि बिहार में अभी भी नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के नाम से जाना जाता है।

संपादकीय

मुसलमानों की उम्मीद

अंततः उम्मीद नामक यह विधेयक समूचे विपक्ष को नाउम्मीदी के लपेटे में लेता हुआ लोक सभा से पारित होकर राज्य सभा में पहुंच गया। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 का लोक सभा तक पहुंचने से पहले संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में लंबी चर्चा कराई गई और उसके बाद लोक सभा में लगभग 12 घंटे चर्चा हुई। इसके पीछे एनडीए सरकार की कोई सोची समझी रणनीति थी तो वह पूरी तरह सफल हुई। लोगों को याद होगा कि सीएए के बारे में यह भ्रम फैलाया गया था कि इसकी वजह से मुसलमानों की नागरिकता चली जाएगी और इस भ्रम की वजह से मुस्लिम समाज लंबे समय तक उद्वेलित था। इस बार सरकार ने वैसा मौका नहीं दिया। लोक सभा की बहस में साफ-साफ दिखाई दे रहा था कि सरकारी पक्ष जैसे-जैसे विधायक को लाने की अपनी मंशा को वक्तव्य में ढल रहा था वैसे-वैसे विपक्ष की इस विधायक के मुसलमानों के विरोध में होने या उनकी मस्जिद, ईदगाह, कब्रगाह आदि संपत्तियां तक को हड़प लेने जैसे तर्कों का मुलम्मा उतरता चला गया? हालांकि विपक्ष के हर नेता ने यही कहा कि यह मुसलमानों की संपत्ति और अधिकार छीनने वाला विधेयक है, लेकिन किसी भी वक्फ ने उन कारणों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जो कारण सरकार ने इस विधायक को लाने के गिनाये थे। यह कारण थे वक्फ कानून में 2013 के संशोधन द्वारा दिए गए असीमित अधिकार जिसके तहत वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के विरुद्ध किसी वैधानिक राहत की अनुपस्थिति किसी भी संपत्ति को वक्त की संपत्ति बताकर कब्जा करने की घटनाएं तथा वक्फ संपत्तियों का केवल कुछ लोगों द्वारा ही भू-माफिया जैसा उपयोग। किसी भी विपक्षी नेता ने आरोपों का तथ्यात्मक खंडन नहीं किया। उनका एक ही आलाप रहा विधेयक मुसलमानों के खिलाफ है जबकि सरकारी पक्ष यह समझाने में सफल रहा कि उम्मीद विधेयक के कानून बन जाने से पसमांदा व गरीब मुसलमान को फायदा होगा जो अब तक वक्फ व्यवस्था के तहत नहीं हुआ। दूसरी ओर विपक्ष उन मुसलमानों के बारे में कुछ नहीं कह सका जो विधेयक के समर्थन में नारे लगा रहे थे। सरकार ने जिस तरीके से इस विधेयक को पसमांदा के हित में बताया है अगर वह जमीनी स्तर पर होता हुआ दिखाई दिया तो विपक्षी दलों की मुस्लिम राजनीति खतरे में पड़ सकती है जो अब तक उनके वोट बैंक की चाबी रही है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं।

इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की

टैरिफ की मार-है भारत तैयार?

भूपेन्द्र गुप्ता

चुनाव जीतते समय ही जैसा अमेरिकन प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वे रैसिप्रोकल टैरिफ उन देशों पर ठोकेंगे जिन्होंने हमारे देश पर भारी भरकम टैरिफ लगा रखे हैं।भारत को ट्रंप ने आगाह भी किया था लेकिन भारत के नेगोशिएशन ना कर पाने के कारण अंततः 26 परसेंट रैसिप्रोकल टैरिफ ठोक दिया है । भारत पर इससे जबरदस्त प्रभाव पड़ने वाले हैं । हमारा अमरीका के लिए कुल एक्सपोर्ट लगभग 74 बिलियन डॉलर है इसमें लगभग 7 विलियन डॉलर की कमी इन ताजा फैसलों से आ सकती है ।भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री लगभग 9.6 बिलियन डॉलर, ऑटो इंडस्ट्री 2.6 बिलियन डॉलर, इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री लगभग 14विलियन , जनरल आईटम 8 विलियन तथा आभूषण 9 विलियन डालर का ट्रेड करते हैं।

अमरीका एक मात्र देश है जहां हम निर्यात में ट्रेड सरप्लस देश हैं।लगभग46 विलियन डालर का हमारा ट्रेड सरप्लस है।

दस फीसदी की बेसिक टेरिफ के अलावा अमरीका ने 26फीसदी अतिरिक्त रेसीप्रोकल यानि जैसे को तैसा टैरिफ भारत पर लगा दिया है।

ट्रंप सरकार के इस फैसले से भारत के सामने मिश्रित चुनौतियां खड़ी हो गई हैं ।भारत के आभूषण एवं हीरा उद्योग,वस्त्र ,इलेक्ट्रानिक उद्योग ,तकनीकि सेवा तथा आटो सेक्टर के कठिनाई के दिन शुरू हो सकते हैं।इन उत्पादों को प्रति स्पर्धा में टिकने के लिये कीमतें घटाना होंगीं,खर्चे घटाना होंगे, जिसका सीधा असर नौकरियों पर पड़ेगा।मांग घटने से उत्पादन घटाना होगा अन्यथा नये बाजार खोजने होंगे या देश के अंदर ही खपत बढ़ाने के उपाय करने होंगे।

डालर की कीमतों के कारण भारतीय मुद्रा वैसे भी दबाव में है जिससे आयात मूल्य बढ़ रहे हैं,इसे घरेलू खपत बढाकर अवशोषित करने की नीतियां बनानी पड़ेगी।

आपदा में अवसर की तलाश का यह एक मौका भी हो सकता है।

इस टैरिफ युद्द में आशा की एक किरण यह है कि हमारे स्पर्धी देश चीन,वियतनाम और थाईलैंड पर हमारी तुलना में लगभग दोगुना टैरिफ लगाया गया है। अमरीका जिन बस्तुओं का इन देशों से आयात करता है सरकार उनके उत्पादन को देश में बढावा देकर कुछ ट्रेड छीन सकती है.लेकिन यह सरकारी समर्थन के बिना संभव नहीं है।साथ ही यूरोपियन यूनियन के देशों में भी बाजार विकसित कर इस संकट को कम किया जा सकता है।

इस परिस्थिति से बाहर निकलने में ही मोदी सरकार की योग्यता और दक्षता की परीक्षा है।अगर ट्रेड तनाव को शिथिल करने में सरकार असफल होती है तो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर भी असर पड़ेगा।2030 तक 500 विलियन डालर के द्विपक्षीय प्रत्यक्ष निवेश लक्ष्य की पूर्ति कठिन होगी।

हमें ध्यान रखना होगा कि अमरीका का भारत से आयात हमारी जीडीपी में लगभग 2.2 फीसदी का योगदान करता है। टैरिफ घोषणा के पहले दिन ही टाटा मोटर,टीसीएस,इनफोसिस,सोना कोमस्टार ,विप्रो आदि के शेयरों में 4.5 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है।

मोदी सरकार कसौटी पर है और व्यवहारिक नेगोशिएशन,समझौते उसकी टीम की योग्यता की परख करेंगे।इन फैसलों से संभावित नुकसान से 31विलियन डालर तक हमारा जीडीपी प्रभावित हो सकता है।

भारत अमरीका से लगभग 23विलियन डालर का आयात करता है जिस पर लगभग 55 फीसदी टैरिफ घटाने की बातचीत चल रही है अगर यह सफल होती है तो इलेक्ट्रानिक काम्पोनैंट आदि की कीमते घटेंगी जिससे निर्यात घाटे की कुछ पूर्ति हो सकती है ।अगर समझौता टूटता है तो आयात रिवेन्यू घटने से कंपनियां घरेलू बाजार में कीमतें बढ़ायेंगी जिससे मंहगाई बढ़ेगी।छंटनी होगी।अगर हम चूकते हैं तो डूबते हैं ।अब हमें देश के मानव बल को धार्मिक स्थल खोदने की बजाय उत्पादन बढाने और नये बाजार खोजने में लगाना होगा।तभी तय होगा कि टैरिफ की मार-पर भारत है तैयार।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

अति उत्साह अच्छी बात नहीं

रजनीश कपूर

व्यायाम और स्वास्थ्य का गहरा संबंध है। नियमित शारीरिक गतिविधि से हृदय मजबूत होता है, रक्तचाप नियंत्रित रहता है, और तनाव कम होता है, लेकिन क्या इस अच्छी आदत की भी कोई सीमा होती है? क्या ज्यादा व्यायाम करने से दिल की बीमारी हो सकती है? यह सवाल वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसी लोकप्रिय जीवनशैली प्रथाओं और कम उम्र के फिट लोगों में अचानक मृत्यु के मामलों ने भी दुनिया भर में चिंता बढ़ाई है। विज्ञापन के इस दौर में हर रोज कोई न कोई नई तकनीक प्रचारित की जाती है जो स्वस्थ रहने के उपाय बताती है, लेकिन क्या ऐसे शॉर्टकट उपायों से आपके शरीर को फायदा होता है?

व्यायाम हृदय के लिए वरदान है। जब हम दौड़ते हैं, या साइकिल चलाते हैं, तो हृदय तेजी से धड़कता है, जिससे रक्त में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सप्ताह में 150 मिनट मध्यम तीव्रता वाला व्यायाम हृदय रोगों के जोखिम को 30प्र. तक कम कर सकता है। लेकिन जब यह 'मध्यम' से 'अत्यधिक' की ओर बढ़ता है, तो स्थिति बदल सकती है। अति व्यायाम तब होता है जब कोई व्यक्ति अपनी शारीरिक क्षमता से अधिक कसरत करता है, या बिना पर्याप्त आराम या पोषण के ऐसा करता है। लंबे समय तक उच्च तीव्रता वाला व्यायाम हृदय पर दबाव डाल सकता है। शोध बताते हैं कि मैराथन धावकों या ट्रायथलॉन एथलीटों में व्यायाम के बाद रक्त में ट्रोपोनिन का स्तर बढ़ जाता है। यह प्रोटीन हृदयाघात के संकेत के रूप में जाना जाता है। 'एथलीट हार्ट सिंड्रोम' भी एक जोखिम है, जिसमें हृदय की मांसपेशियां मोटी हो जाती हैं और अनियमित धड़कन (एरिदमिया) की समस्या हो सकती है। कुछ मामलों में यह गंभीर रुदय रोगों का कारण बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया ने इंटरमिटेंट फास्टिंग को वजन घटाने और स्वास्थ्य सुधार के लिए काफी लोकप्रिय किया है। इसमें व्यक्ति निश्चित समय तक भोजन नहीं करता, जैसे 16 घंटे उपवास और 8 घंटे खाने का समय। हालांकि इसके कुछ फायदे भी हैं, जैसे इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार। लेकिन जानकारों के अनुसार अति व्यायाम के साथ इसे जोड़ने से खतरे बढ़ सकते हैं। जब शरीर को ऊर्जा के लिए पर्याप्त भोजन नहीं मिलता और साथ ही भारी व्यायाम किया जाता है, तो रुदय पर अतिरिक्त तनाव पड़ता है। इससे इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन, कमजोरीङ्क और रुदय की एरिदमिया का जोखिम बढ़ता है। 2023में अमेरिका में 28 वर्षीय एक फिटनेस ट्रेनर की मृत्यु का मामला चर्चा में आया। वह इंटरमिटेंट फास्टिंग के साथ रोजाना 2 घंटे की तीव्र कार्डियो और वेटिलफ्टिंग भी करता था। पोस्टमॉर्टम में पता चला कि उसकी मृत्यु हृदय गति रुकने से हुई, जिसका कारण इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और हृदय पर अत्यधिक दबाव था यानी बिना संतुलन के फास्टिंग और व्यायाम खतरनाक हो सकता है। हाल के वर्षों में कम उम्र के स्वस्थ और फिट लोगों में अचानक मृत्यु के मामले बढ़े हैं। भारत में भी ऐसी घटनाएं देखी गई हैं। 2022 में गुजरात में 19 वर्षीय एक युवक की जिम में वर्कआउट के दौरान मृत्यु हो गई। वह नियमित रूप से भारी वजन उठाता था और प्रोटीन सप्लीमेंट्स भी लेता था। जांच में पता चला कि उसकी मृत्यु हृदयाघात से हुई जो संभवतः अति व्यायाम और अपर्याप्त रिकवरी के कारण था। 2024 में दिल्ली में 25 वर्षीय एक मैराथन धावक की दौड़ के बाद मृत्यु हो गई। वह इंटरमिटेंट फास्टिंग पर था और बिना पर्याप्त हाइड्रेशन के लंबी दूरी दौड़ रहा था। डॉक्टरों ने इसे 'सडन कार्डियक डेथ' का मामला बताया जो युवा एथलीटों में दुर्लभ लेकिन संभव है। ऐसे मामलों में अक्सर अज्ञात हृदय दोष (जैसे हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी) या अति तनाव जिम्मेदार होता है। अति व्यायाम और फास्टिंग का जोखिम हर किसी के लिए समान नहीं है। जिन लोगों का पारिवारिक इतिहास हृदय रोगों से जुड़ा है, उन्हें सावधानी बरतनी चाहिए।

तो क्या हमें व्यायाम या फास्टिंग से डरना चाहिए? नहीं, ये दोनों ही स्वस्थ जीवन के लिए लाभकारी हैं बशर्ते इन्हें संतुलित तरीके से अपनाया जाए। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि व्यायाम की तीव्रता और अवधि आपकी उम्र, फिटनेस स्तर, और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार होनी चाहिए। चाहिए। इंटरमिटेंट फास्टिंग करते समय भी पोषण और हाइड्रेशन का ध्यान रखें। भारी व्यायाम से पहले और बाद में पर्याप्त पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स लें। थकान, चक्कर, या अनियमित धड़कन महसूस हो, तो तुरंत रु कें और डॉक्टर से संपर्क करें। 'अति सर्वत्र वर्जयेत', यह कहावत व्यायाम और फास्टिंग, दोनों पर लागू होती है। अति व्यायाम और असंतुलित फास्टिंग रुदय पर दबाव डाल सकते हैं, खासकर जब इन्हें बिना तैयारी या मार्गदर्शन के किया जाए। कम उम्र के फिट लोगों की मृत्यु के मामले हमें सावधान करते हैं कि स्वास्थ्य के प्रति उत्साह अच्छा है, लेकिन उसे अति उत्साह में नहीं बदलना चाहिए। शरीर के संकेतों को सुनें, संतुलन बनाए रखें, जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह लें। आखिरकार, हमारा लक्ष्य लंबा, स्वस्थ, और सुखी जीवन जीना है।

भयमुक्त वातावरण हेतु मां कालरात्रि पूजन

–शनिवार दुर्गाष्टमी पर भव्य भगवती चौकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर गोरख पार्क शाहदरा में स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के पावन सानिध्य मे चल रहें 122वां नवरात्रि महोत्सव एवम धर्म सम्मेलन के सातवें दिन भयमुक्त वातावरण की कामना हेतू मां कालरात्रि का पूजन किया गया। सद्गुरु राजदरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में सप्तम भाव मां कालरात्रि का पूजन किया गया। मां कालरात्रि का दर्शन तो अत्यंत विकराल भयभीत करने वाला है लेकिन यह नारियल की भांति ऊपर से कठोर लेकिन भीतर से नरम और करुणा रस से परिपूर्ण होकर अपने भक्तों को सभी प्रकार के भयों से मुक्त कर देती है। वर्तमान में प्राकृतिक आपदाएं, धार्मिक वैमनस्य आदि को लेकर साधारण व्यक्ति मन ही मन बहुत भयभीत हैं इस विभिन्न प्रकार के भयों से मुक्ति की प्राप्ति हेतु केवल एक ही मार्ग एक ही साधन और वह है शक्ति की साधना आराधना जिससे मन को शांति प्राप्त हो सकती है। मंदिर परिसर मंन प्रसिद्ध महिला गायिका बबीता श्रीवास्तव द्वारा मातृ गुणगान किया गया। अति सुंदर भजनों से भक्तसमूह को मां की भेंट 卐मेरी मां दे नोराते आए, भगतां नू पा देयो चिट्ठियां卐 गाकर मंत्रमुग्ध कर दिया। देवी देवताओं के रूप में नृत्य नाटिका की श्रंखला में मां शेरावाली की नयनाभिराम नाटिका सुंदर बोल 卐शेर पे सवार होके आजा शेरावालिए卐पर भक्तों ने मां के स्वरूप को मत्था टेका। सामूहिक दुर्गा चालीसा पाठ, फलाहार भंडारा प्रसाद वितरण करते हुए चौकी संपन्न हुई। शनिवार शाम 5 बजे दुर्गाष्टमी पर स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा पूर्ण नवरात्र मौन व्रत संपन्न होगा जिसमे जागरण पंथ के प्रसिद्ध कलाकार दीपक शर्मा जी महामाई का गुणगान करेंगे।

माताश्री राजेश्वरी देवी की पावन जयंती पर श्री हंसलोक आश्रम में विशाल जनकल्याण समारोह 5 एवं 6 अप्रैल को

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व की महान आध्यात्मिक विभूति माता श्री राजेश्वरी देवी की पावन जयंती आगामी 5 और 6 अप्रैल को श्री हंसलोक आश्रम में मातृशक्ति दिवस के रूप में मनाई जायेगी। इस मौके पर हंस ज्योति–ए यूनिट आफ हंस कल्चरल द्वारा दो दिवसीय विशाल जनकल्याण समारोह का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम प्रतिदिन सायं 6 बजे से 9 बजे तक चलेगा। संस्था के मीडिया प्रभारी बी.के.त्यागी ने बताया जनकल्याण समारोह में परमपूज्य श्री भोले जी महाराज तथा माता श्री मंगला जी लोगों में राष्ट्र प्रेम, मानवीय एकता, विश्व शांति, सामाजिक सद्भाव, परोपकार तथा मानव सेवा का भाव जगाने के लिए प्रवचन करेंगे। समारोह में माताश्री राजेश्वरी देवी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला जायेगा। श्री त्यागी ने बताया कि युवाओं में बढ़ रही नशा प्रवत्ति को दूर करने तथा उन्हें आध्यात्मिक शिक्षा को अपनाने के लिए प्रेरित किया जायेगा। संस्था के मीडिया प्रभारी ने बताया कि समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आये आत्मानुभवी संत–महात्मा भी सत्संग विचारों से श्रद्धालु–भक्तों को लाभान्वित करेंगे। प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति की जायेगी। समारोह में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर एवं विशाल भंडारा भी लगाया जायेगा।

तीन तमंचे व अवैध शराब समेत पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने बदमाशों व शराब तस्करों के खिलाफ अभियान चलाते हुए पांच को गिरफ्तार है। इनमें तीन बदमाश व दो महिला शराब तस्कर शामिल हैं। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि इनके कब्जे से तीन तमंचे, चार कारतूस व मोटरसाइकिल के अलावा अवैध शराब के 222 पव्वे, 24 बीयर व 3400 रुपये नकद बरामद किया गया है। पकड़े गये एक आरोपित साजिद उर्फ जैद पर लूट समेत 30 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस इन पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर इनके हथियारों व शराब के आपूर्तिकर्ताओं व इनके पूरे नेटवर्क के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार देर रात एएटीएस इंचार्ज इंस्पेक्टर योगेश वशिष्ठ की टीम ने लोनी गोली चक्कर, मुख्य वजीराबाद मार्ग से एक बदमाश दबोचा। गुप्त सूचना के आधार पर पकड़े गए इस बदमाश भागीरथी विहार निवासी शाह नूर के पास से तमंचा व दो कारतूस बरामद हुआ। इसके अलावा अवैध शराब के 112 पव्वे, 24 बीयर व 3400 नकद समेत एक महिला शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। वहीं, ज्योति नगर पुलिस ने नाला रोड, वजीराबाद रोड से एक बाइक सवार संदिग्ध को एक तमंचा व कारतूस समेत गिरफ्तार किया। इसकी बाइक भी जांच में चोरी की निकली। आरोपित की पहचान पुराना मुस्तफाबाद निवासी साजिद उर्फ जैद के रूप में हुई। इसी कड़ी में नंद नगरी पुलिस ने भी गश्त के दौरान पीली मिट्टी इलाके से एक बदमाश हुसैन उर्फ बाबा को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। इस पर नौ मामले दर्ज मिले हैं। इसके साथ ही गुरुवार को नंद नगरी पुलिस ने पांच वारदातों में शामिल एक महिला को अवैध शराब के 110 पव्वे के साथ गिरफ्तार किया।

लूटे गए मोबाइल फोन व बाइक के साथ तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 अप्रैल (वेब वार्ता)। मधु विहार इलाके की पुलिस ने दो बदमाशों को लूटे गए मोबाइल फोन व एक वाहन चोर को चोरी के वाहन समेत पकड़ा है। पूर्वी जिले के डीसीपी अभिषेक धानिया ने शुक्रवार को बताया कि आरोपितों पर आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। इनकी पहचान अंकुश व देव राज उर्फ नंदू और एक की नाबालिग वाहन चोर के रूप में हुई है।

दिल्ली सरकार की वजह से नहीं रुकेगा डीयू का कोई भी काम: मुख्यमंत्री

–डीयू में किया गया दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का अभिनंदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय का कोई भी काम हो, वो दिल्ली सरकार की वजह से नहीं रुकेगा। श्रीमती रेखा गुप्ता दिल्ली विश्वविद्यालय में उनके अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन की यादों को ताजा करते हुए कहा कि मुझे लीडर बनाने वाला डीयू का दौलत राम कॉलेज है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय मिल कर काम करेंगे। शिक्षा को आगे बढ़ाने में डीयू का पूर्ण सहयोग दिल्ली सरकार को रहेगा।

मुख्यमंत्री श्रीमति रेखा गुप्ता ने अपने लीडर बनने की कहानी बताते हुए कहा कि जब 1993 में मैं दौलत राम कॉलेज में फ़र्स्ट इयर में आई तो पूरे साल कॉलेज में स्ट्राइक चलती रही। इसी कारण मेरा डूसू प्रतिनिधियों से संपर्क बढ़ा और फिर एबीवीपी के संपर्क में आई। फ़ाइनल इयर में डूसू अध्यक्ष बनी। उन्होंने बताया कि एक स्कूटी पर चलकर उन्होंने डीयू व कॉलेजों और दिल्ली में राजनीतिक कार्यक्रम किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब उन्होंने सोचा भी नहीं था कि दिल्ली की जिन सड़कों पर घूम रही हूँ इन सड़कों को कभी ठीक करवाने की जिम्मेवारी मेरी होगी। कभी यह नहीं सोचा था कि जिस वीसी ऑफिस पर धरने करते थे, कभी उसमें सम्मान मिलेगा और वहाँ के मंच से बोलना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीयू स्टूडेंट होने के नाते जो फर्ज मेरा है उसे पूरी जिम्मेवारी से निभाऊँगी। डीयू का कोई भी काम हो वो दिल्ली सरकार की वजह से रुकने वाला नहीं है। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में पर्यटन स्थलों के साथ ही एजुकेशनल ट्यूरिजम भी बढ़े, इस पर काम होगा। मुख्यमंत्री ने डीयू की गलियों से जुड़ी यादों को ताजा करते हुए दौलत राम कॉलेज के सामने वाली दीवार, भेलपूरी और लैमन सोडे को भी याद किया।

डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का अभिनंदन करते हुए कहा कि अपने बच्चों की तरक्की से जैसे अभिभावक और शिक्षक खुश होते हैं वैसे ही यूनिवर्सिटी और कॉलेज भी खुश होते हैं। डीयू की विद्यार्थी श्रीमती रेखा गुप्ता का दिल्ली की मुख्यमंत्री बनना हम सबके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि डीयू को आप पर गर्व है। आपने डीयू को एक छात्रा के रूप में देखा, डूसू अध्यक्ष के रूप में देखा, एक नगर पार्षद के रूप में देखा और अब एक मुख्यमंत्री के रूप में देखने की बारी है। कुलपति ने कहा कि जितनी भी छात्राएँ यहाँ पर बैठी हैं, आप उनकी रोल मॉडल और प्रेरणा स्रोत होंगी। आपका आना हमारे विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा। इसके साथ ही कुलपति ने डीयू में एकल बालिका एवं अनाथ बच्चों के लिए दाखिलों में सीटों के आरक्षण सहित डीयू की अनेक उपलब्धियों का वर्णन भी किया।

कार्यक्रम के आरंभ में एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मगो ने मुख्यातिथि सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया। दौलत राम कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. सविता रॉय ने अपने कॉलेज की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत किया। समारोह के समापन पर डीयू प्रॉक्टर प्रो. रजनी अब्बी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर

डीयू दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो. श्रीप्रकाश सिंह और डीन स्टूडेंट वेलफ़ैर प्रो. रंजन त्रिपाठी सहित अनेकों डीन, विभागाध्यक्ष, प्रिंसिपल, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी तथा सैंकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डीएमआरसी ने मोमेंटम दिल्ली सारथी 2.0 ऐप के जरिये 'स्मार्ट डोर-टू-डोर ट्रैवल' सेवा की शुरुआत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने मोमेंटम दिल्ली सारथी 2.0 ऐप के माध्यम से शुक्रवार को 'स्मार्ट डोर-टू-डोर ट्रैवल' सेवा की शुरुआत की है। डीएमआरसी ने बाइक टैक्सी और ऑटो-रिक्शा के लिए रैपिडो के साथ महिला-नेतृत्व वाले एक स्टार्टअप शीराईडस के साथ साझेदारी की है। जो विशेष रूप से महिला मेट्रो यात्रियों के लिए बाइक टैक्सी सेवा उपलब्ध कराती है।

उन्होंने कहा कि यह सेवा यात्रियों को मेट्रो टिकट और आखिरी स्टेशन के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन की व्यवस्था देगा। इससे यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। ऑटो-पे पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड के सहयोग से विकसित यह पहल विभिन्न बुकिंग की आवश्यकता को समाप्त करेगी। मेट्रो स्टेशनों और अंतिम गंतव्यों के बीच दूरी को कम करेगी।

डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार ने कहा कि इस एकीकृत सेवा की शुरुआत से हम शहरी आवागमन में पहले और आखिरी स्टेशन को जोड़ने के रूप में एक सबसे महत्वपूर्ण चुनौती का हल करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सारथी-मोमेंटम 2.0 ऐप सभी के लिए मेट्रो यात्रा को अधिक सुलभ, कुशल और सुविधाजनक बनाएगा।

ऑटो-पे पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड के सीईओ अनुराग बाजपेयी ने कहा कि डीएमआरसी के साथ हमारी साझेदारी स्मार्ट शहरी गतिशीलता में एक नई उपलब्धि का संकेत देती है। प्रौद्योगिकी का उपयोग कर हम सार्वजनिक परिवहन को अधिक सहज और यात्री-अनुकूल बना रहे हैं।

यह ऐप कैसे काम करता है

उपयोगकर्ता गंतव्य स्थल को प्रविष्ट करता है, ऐप निकटतम मेट्रो स्टेशनों और सबसे बेहतर पहले और आखिरी स्टेशन परिवहन विकल्पों का सुझाव देता है, उपयोगकर्ता के स्थान से निकटतम मेट्रो स्टेशन तक पिक-अप के लिए बाइक टैक्सी या ऑटो-रिक्शा बुक किया जा सकता है, गंतव्य स्टेशन पर पहुंचने से पहले आखिरी स्टेशन के लिए एक और राइड बुक की जा सकती है और यदि मेट्रो स्टेशन पैदल दूरी के भीतर है तो ऐप में वाहन का कोई सुझाव नहीं मिलता है।

भाजपा सरकार को दिल्ली की जनता के पेंडिंग पानी बिल करने चाहिये माफ़ : दीपक शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के लाखों लोगो के पानी के बिल अनाप शनाप आये हुए है। दिल्ली की आप पार्टी सरकार नें लोगो से कहा था सभी के पेंडिंग बिल माफ़ कर दिए जायेगें लेकिन दिल्ली में सत्ता परिवर्तन हो गई और भाजपा की सरकार बन गई। लिहाजा अब भाजपा सरकार को वे पेंडिंग बिल माफ़ कर देने चाहिए। यह कहना है आर.डब्लू.ए.रामनगर के संस्थापक अध्यक्ष दीपक शर्मा का। दीपक शर्मा कहते हैं पानी के बिल माफ़ करना तो दूर सरकार पानी और सीवर कनेक्शन की नई दरें जारी कर रही है जो कि सरासर अनुचित है। दीपक शर्मा कहते हैं दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों के अनाप शनाप बढ़े हुए बिल पेंडिंग पड़े है, जो केजरीवाल सरकार ने भेजे थे और केजरीवाल ने चुनाव के दौरान कहा था कि यदि दोबारा सत्ता में आए तो सबके बिल माफ कर देंगे। दिल्ली की जनता के पुराने बिल माफ कर देने चहिये और दिल्ली जल बोर्ड की नाकामी के कारण लोगों के अनाधिकृत कनैक्शन को बिना शर्त रेगुलराईज किया जाना चाहिए। भाजपा दिल्ली वालों को राहत देने के लिए एमनेस्टी योजना लेकर आनी चाहिए, जिसके तहत पानी और सीवर के अनाधिकृत कनेक्शन नियमित हो सके। दीपक शर्मा ने कहा कि गर्मी का आगमन हो चुका है और दिल्ली में पानी की कमी को लेकर अभी तक भाजपा सरकार ने कोई रोडमेप तैयार नही किया है। उन्हांने कहा कि हमें उम्मीद है कि दिल्ली में पानी की कमी का ठीकरा भाजपा पिछली सरकार के सर पर फोड़ेगी। जबकि यह हालात दिल्ली में सीवर जाम की व्यवस्था की है। थोड़ी सी बारिश में सीवर उपर बहने लगते है। दीपक शर्मा नें कहा कि जहां दिल्ली में जल स्तर लगातार गिर रहा है और यमुना रिवर बेड से गैर कानूनी बोरिंग लगाकर व्यावसायिक रूप से पानी बेचा जा रहा है, जिस पर न आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार ने कोई कार्यवाही की थी और नही वर्तमान में भाजपा की सरकार जो लगभग दो महीने से सत्ता में है उसने पानी चोरी के टैंकर माफिया पर कोई लगाम लगाने का काम किया है। उन्होंने मांग की कि गैर कानूनी बोरिंग के द्वारा टैंकर माफिया द्वारा पानी दोहन करने की विस्तृत जांच होनी चाहिए ताकि यह पता लग सके कि इस घोटाले में किन-किन दिल्ली जल बोर्ड व दिल्ली पुलिस के अधिकारियों की मिलीभगत है।

सराय काले खां स्टेशन पर रिसीविंग सब-स्टेशन तैयार, तीनों कॉरिडोर का होगा पावर जंक्शन पॉइंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेल (नमो भारत) कॉरिडोर के प्रमुख स्टेशन सराय काले खां तक ट्रेन संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। एनसीआरटीसी (नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन) द्वारा सराय काले खां में निर्मित रिसीविंग सब-स्टेशन (आरएसएस) अब बनकर पूरी तरह तैयार हो गया है और इसकी टेस्टिंग जारी है।

यह आरएसएस, नमो भारत के फेज-1 के तीनों कॉरिडोर का पावर जंक्शन पॉइंट होगा, जहां से पूरे नेटवर्क को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इस सब-स्टेशन में 66 केवी की बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की गई है, जिसके लिए दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड और गैस टर्बाइन पावर स्टेशन (जीटीपीएस) के साथ करार किया गया है।

यहां से 25 केवी की आपूर्ति ट्रेनों के संचालन के लिए और 33 केवी की आपूर्ति स्टेशन परिसरों के लिए की जाएगी। इस पावर स्टेशन में 66/33 केवी के दो ट्रांसफॉर्मर और 66/25 केवी के दो ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं। इनमें से तीन ट्रांसफॉर्मर सक्रिय रहेंगे, जबकि एक को बैकअप के रूप में रखा गया है। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए दो और 66/25 केवी ट्रांसफॉर्मर भी लगाए जाएंगे।

यह सब-स्टेशन सराय काले खां स्टेशन के पास ही स्थित है, जिससे ट्रेन संचालन की तकनीकी आवश्यकताओं को समय पर पूरा किया जा सकेगा। इस पावर स्टेशन के पूरा होने से सराय काले खां से मेरठ तक के पहले फेज में ट्रेन संचालन की दिशा में बड़ी प्रगति हुई है। इस खंड में सराय काले खां, गाजियाबाद, मुरादनगर, शताब्दी नगर और मोदीपुरम में कुल पांच आरएसएस प्रस्तावित हैं, जिनमें से चार बनकर तैयार हो चुके हैं।

एनसीआरटीसी द्वारा बनाए जा रहे सभी आरएसएस को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) के मानकों पर तैयार किया जा रहा है। इनमें वर्षा जल संचयन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, हरित क्षेत्र, एलईडी लाइट्स, प्राकृतिक रोशनी, सौर ऊर्जा पैनल और हवादार भवन जैसे प्रावधान किए गए हैं।

एनसीआरटीसी का उद्देश्य न केवल रैपिड रेल को तेज और विश्वसनीय बनाना है, बल्कि इसे पर्यावरण अनुकूल और सतत ऊर्जा आधारित बनाना भी है। 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर के पूर्ण रूप से चालू होने पर एनसीआरटीसी 11 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करने की योजना बना रही है, जिससे हर वर्ष लगभग 11, 500 टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी। यह पहल जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक प्रभावी कदम के रूप में देखी जा रही है।

वर्तमान में न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक 55 किलोमीटर के सेक्शन में नमो भारत ट्रेनों का संचालन शुरू हो चुका है। अब न्यू अशोक नगर से सराय काले खां तक भी ट्रेनों का संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है। 2025 तक पूरे 82 किमी लंबे कॉरिडोर पर ट्रेनों के संचालन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जल संकट दूर करने में जुट चुकी है रेखा गुप्ता सरकार : दर्शन सिंह

–बनाई जा रही है जनहित में कई योजनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 अप्रैल (वेब वार्ता)। दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी सरकार राजधानी में जल संकट से निपटने के तमाम प्रयास करने में जुट चुकी है। जल मंत्री प्रवेश वर्मा तथा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता निरंतर इस ओर प्रयास कर रही है। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी नवीन शाहदरा जिले के वरिष्ठ नेता पूर्व उपाध्यक्ष दर्शन सिंह का। दर्शन सिंह कहते हैं पिछले एक दशक से गर्मी के मौसम में दिल्ली लगातार जल संकट झेलती रही है। लोगो को अपनी प्यास बुझाने के लिए महंगा पानी खरीदना पड़ता था लेकिन अब सरकार की सक्रियता से समस्या का समाधान हो जाएगा। दर्शन सिंह कहते है सरकार नें दिल्ली में पानी की समस्या को दूर करने के लिए समर एक्शन प्लान पूरी तरह से तैयार कर लिया है। सरकार लगातार समीक्षा कर रही है और जल आपूर्ति सुचारू रखने के लिए हर क्षेत्र में नोडल अफसरों की तैनाती की जा रही है। जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठकों का दौर जारी है, जिनमे जल संकट और समाधान को लेकर विस्तृत चर्चा हो रही है। सरकार ने जल संकट से सबसे अधिक प्रभावित इलाकों की पहचान कर ली है और जल आपूर्ति को सुचारू करने के उपायों पर चर्चा हो रही है। दर्शन सिंह कहते हैं दिल्ली का जल प्रबंधन सिस्टम आप पार्टी की सरकार में पूरी तरह से खराब हो चुका था। उन्होंने कहा कि अगर पहले की सरकारों ने समय पर सही कदम उठाए होते, तो आज दिल्ली की स्थिति इतनी खराब नहीं होती। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पानी को लेकर जो टैंकर माफिया' सक्रिय था, उसे रोकने के लिए भी सरकार कड़े कदम उठा रही हैं। दर्शन सिंह कहते हैं दिल्ली में कई जल पाइप लाइन 60 साल से अधिक पुराने हैं और उन्हें बदलने की जरूरत है। सरकार जल्द ही एक कार्ययोजना तैयार कर इस दिशा में ठोस कदम उठाने जा रही है। कई इलाकों में आबादी की तुलना में पानी की आपूर्ति बहुत कम है। इस समस्या के समाधान के लिए दिल्ली जल बोर्ड के प्रत्येक कार्यालय में हाजिरी के लिए फिंगरप्रिंट स्कैनर लगाने की योजना बनाई जा रही है। दिल्ली सरकार का लक्ष्य टैंकर-मुक्त शहर बनाना है। पानी की आपूर्ति की बेहतर निगरानी के लिए एक कमांड सेंटर बनाया गया है। दिल्ली को प्रतिदिन 1, 200 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रति दिन) पानी की जरूरत है, लेकिन फिलहाल सिर्फ 990 एमजीडी ही मिल रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए अगले तीन महीनों में 249 नए ट्यूबवेल लगाए जाने की सरकार की योजना है। अभी 901 पानी के टैंकर काम कर रहे हैं, जिसे बढ़ाकर 1, 300 किये जाने की योजना है। दर्शन सिंह कहते हैं आप पार्टी सरकार नें लीकेज नियंत्रण पर कदम नहीं उठाये और पानी की बर्बादी को नहीं रोका गया। लेकिन रेखा गुप्ता सरकार नें इस ओर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पास होने पर स्वामी चक्रपाणि जी ने सांसद जगदंबिका पाल को दी बधाई

फ्यूचर लाइन टाईम्स–नई दिल्ली। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के संसद से पास होने के बाद, इस ऐतिहासिक विधेयक में मुख्य भूमिका निभाने वाले संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष एवं सांसद जगदंबिका पाल को अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने दूरभाष पर बधाई दी। स्वामी चक्रपाणि ने श्री पाल को इस महत्वपूर्ण कार्य में उनकी नेतृत्व क्षमता और निष्ठा के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संशोधन देश के हित में एक बड़ा कदम साबित होगा। इस पर सांसद श्री जगदंबिका पाल जी ने स्वामी चक्रपाणि महाराज का आभार व्यक्त करते हुए उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को लेकर लंबे समय से चर्चा हो रही थी। इस विधेयक के पास होने के बाद, इसके समर्थन में विभिन्न संगठनों और नेताओं की सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ सामने आ रही हैं। स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने इसे एक साहसिक और देशहितकारी निर्णय बताते हुए इसके लिए सांसद जगदंबिका पाल की प्रशंसा की। अखिल भारत हिंदू महासभा के केंद्रीय कार्यालय मंत्री ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह विधेयक समाज में समरसता और पारदर्शिता स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगा।

दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि को लेकर 'आप' ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सत्ता परिवर्तन के बाद प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोला है। 'आप' नेताओं का कहना है कि भाजपा सरकार बनते ही शिक्षा माफिया एक बार फिर सक्रिय हो गया है और प्राइवेट स्कूलों ने 20 से 82 प्रतिशत तक फीस बढ़ा दी है। इससे सबसे ज्यादा मार मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ी है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार के दस सालों में प्राइवेट स्कूलों पर सख्त नियंत्रण था। किसी भी स्कूल को मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने की इजाजत नहीं थी। जरूरत पड़ने पर ऐसे स्कूलों को नोटिस जारी कर उनके रजिस्ट्रेशन रद्द तक किए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बनते ही प्राइवेट स्कूल माफिया को खुली छूट मिल गई है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के नामी स्कूलों ने फीस में भारी इजाफा किया है। द्वारका, वसंत कुंज और रोहिणी स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल में 7वीं और 10वीं के उन छात्रों को क्लास में नहीं जाने दिया गया, जिनके माता-पिता ने बढ़ी हुई फीस नहीं जमा की। इन बच्चों को पूरे दिन लाइब्रेरी में बैठा कर रखा गया और टॉयलेट जाने तक के लिए अटेंडेंट साथ भेजा गया। बच्चों को शर्मिंदा किया जा रहा है, जिससे उनका मानसिक उत्पीड़न हो रहा है।

उन्होंने कहा, 'मयूर विहार फेस-3 के सालवान पब्लिक स्कूल ने 82 प्रतिशत फीस वृद्धि की घोषणा की है। यहां बच्चों के रिजल्ट तक रोक दिए गए हैं। वहीं, प्रीतमपुरा के महाराजा अग्रसेन स्कूल और बसंत कुंज के पर्जना स्कूल ने भी भारी फीस बढ़ोतरी की है, जिसके खिलाफ अभिभावक प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन भाजपा सरकार मौन है और स्कूल प्रबंधन के साथ खड़ी नजर आ रही है।'

'आप' विधायक संजीव झा ने कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही केजरीवाल की चेतावनी सच साबित हो रही हैं। भाजपा ने चुनाव में दावा किया था कि जनकल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी, लेकिन सच्चाई यह है कि न बिजली 24 घंटे मिल रही है और न ही शिक्षा सस्ती रह गई है। वहीं, नेता आदिल खान ने कहा कि प्राइवेट स्कूलों को बेलगाम छोड़ देना मध्यम वर्ग पर सीधा हमला है। भाजपा सरकार पूंजीपतियों के साथ खड़ी है, जबकि आम आदमी पार्टी आम जनता के

हक की लड़ाई लड़ रही है।

उन्होंने मांग की कि फीस वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाए और स्कूलों की मनमानी पर कड़ी कार्रवाई की जाए। आम आदमी पार्टी ने साफ किया है कि वह इस मुद्दे को लेकर जनता के साथ खड़ी है और प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ सड़कों पर उतरने से भी पीछे नहीं हटेगी।

वारदात के लिए घूम रहे प्रिंस तेवतिया गैंग के चार शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने विरोधी गैंग के बदमाशों को सबक सिखाने जा रहे प्रिंस तेवतिया गैंग के चार शूटरों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों की पहचान राकेश, हनी रावत, रिशु प्रसाद तथा दिलशाद के रूप में हुई। बदमाशों के कब्जे से एक कार, चार पिस्टल और आठ कारतूस बरामद किये गए हैं। राकेश अंबेडकर नगर थाने का घोषित बदमाश (बीसी) है। उसके उपर 12 मामले दर्ज हैं।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने वक्फ संशोधन विधेयक पास होने पर कहा - 'न्याय और पारदर्शिता की नई शुरुआत तय'

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी वक्फ संशोधन विधेयक के पास होने पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खुशी जताई। उन्होंने इसे ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि इस विधेयक को मंजूरी मिलने से अन्याय और भ्रष्टाचार को खत्म कर न्याय और पारदर्शिता की नई शुरुआत होगी।

उन्होंने कहा कि 2013 में तुष्टिकरण के लिए रातों-रात वक्फ कानून को अतिवादी बना दिया गया, जिसके कारण दिल्ली के लुटियंस जोन की 123 वीवीआईपी संपत्तियां वक्फ को दे दी गईं। इस विधेयक के पारित होने से देश के विकास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है, जो न्याय और समानता को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट किए।

सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज का दिन ऐतिहासिक है। संसद ने 'वक्फ (संशोधन) विधेयक - 2025' को मंजूरी दे दी है, जो दशकों से चले आ रहे अन्याय और भ्रष्टाचार को खत्म कर न्याय और पारदर्शिता की नई शुरुआत करेगा। 2013 में तुष्टिकरण के लिए रातों-रात वक्फ कानून को अतिवादी बना दिया गया, जिसके कारण दिल्ली के लुटियंस जोन की 123 वीवीआईपी संपत्तियां वक्फ को दे दी गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक कदम से अब इसकी पारदर्शिता से निगरानी की जा सकेगी।'

उन्होंने लिखा, '2013 में लाए गए संशोधन विधेयक पर दोनों सदनों में कुल साढ़े 5 घंटे चर्चा हुई थी, जबकि इस विधेयक पर दोनों सदनों में 16 घंटे से ज्यादा की चर्चा हुई। मोदी सरकार ने संयुक्त समिति बनाई, जिसमें 38 बैठकें हुईं, 113 घंटे चर्चा हुई और 284 हितधारकों को शामिल किया गया। 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025' को संसद के पटल पर लाने से पहले मोदी सरकार को देशभर से करीब एक करोड़ ऑनलाइन सुझाव मिले, जिनका विश्लेषण करने के बाद यह कानून बनाया गया, जो दर्शाता है कि जहां मोदी सरकार मुस्लिमों के साथ खड़ी है, वहीं विपक्ष केवल वोट बैंक की आड़ में गुमराह कर रहा है।'

सीएम रेखा गुप्ता ने लिखा, 'इस विधेयक के पारित होने से देश के विकास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है, जो न्याय और समानता को सुनिश्चित करेगा। इसे समर्थन देने वाले सभी दलों और सांसदों का भी धन्यवाद। वक्फ बोर्ड को अधिक उत्तरदायी बनाना अनिवार्य था। यह विधेयक सुनिश्चित करेगा कि वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग न हो और इसका लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचे। यह पारदर्शिता और सुशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा, जिससे करोड़ों लोगों को न्याय मिलेगा।'

पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर दो दिग्गजों में छिड़ी जंग

मुंबई। पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाने के नाम पर दो दिग्गज नेताओं में सियासी जंग छिड़ गई है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा के नेता नितेश राणे ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी पाकिस्तान को 'हिंदू राष्ट्र' बनाना चाहती है। मत्स्य और बंदरगाह विकास मंत्री राणे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह बयान दिया। उन्होंने अपने पोस्ट में शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत के उस आरोप का जवाब दिया जिसमें राउत ने कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भारत को 'हिंदू पाकिस्तान' बनाना चाहते हैं। राणे ने लिखा, लेकिन हम पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। इसे ध्यान में रखें और अपनी हद में रहें। मंत्री का यह बयान शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित राउत के हालिया साप्ताहिक लेख के संदर्भ में माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने और भारत को 'हिंदू पाकिस्तान' बनाने की दिशा में ले जाने का आरोप लगाया था। इससे पहले, राणे ने छत्रपति संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग की थी। साथ ही, उन्होंने केरल को 'मिनी पाकिस्तान' भी कहा था। बता दें कि शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि केंद्र सरकार की नजर वक्फ बोर्ड की जमीन पर है और अगला निशाना मंदिरों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों की जमीन हो सकती है। उद्धव ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने के कुछ घंटे बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पार्टी इस विधेयक पर भाजपा के कपटपूर्ण रुख और 'वक्फ की जमीन छीनकर अपने उद्योगपति मित्रों को देने की उसकी चाल' का विरोध करती है।

पेड़ काटे जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव को जेल भेजने की दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार से हैदराबाद विश्वविद्यालय के बगल में स्थित भूखंड पर लगे बड़े वृक्षों को हटाने की मजबूरी के बारे में स्पष्टीकरण मांगा। साथ ही अगले आदेश तक किसी भी प्रकार की गतिविधि पर रोक लगा दी। रिपोर्ट में अदालत को बताया गया कि बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि अगर उसे राज्य की ओर से कोई चूक मिली तो वह मुख्य सचिव के खिलाफ कार्रवाई करेगी। पीठ ने कहा, उन्हें (मुख्य सचिव) झील के पास उसी स्थान पर बनाई गई अस्थायी जेल में भेजा जाएगा। राज्य में पेड़ों की कटाई को बहुत गंभीर मामला बताते हुए न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार द्वारा उसके समक्ष पेश की गई अंतरिम रिपोर्ट 'चिंताजनक तस्वीर' पेश करती है। पीठ ने कहा, हम निर्देश देते हैं कि अगले आदेश तक, पहले से मौजूद पेड़ों के संरक्षण के अलावा, किसी भी प्रकार की कोई गतिविधि राज्य द्वारा नहीं की जाएगी। पीठ ने तेलंगाना के मुख्य सचिव से पूछा कि राज्य द्वारा पेड़ों को हटाने समेत विकासात्मक गतिविधियां शुरू करने की तत्काल इतनी क्या मजबूरी है। मुख्य सचिव को यह भी बताने का निर्देश दिया गया कि क्या राज्य ने ऐसी गतिविधियों के लिए पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि अगर उसे राज्य की ओर से कोई चूक मिली तो वह मुख्य सचिव के खिलाफ कार्रवाई करेगी। पीठ ने कहा, उन्हें (मुख्य सचिव) झील के पास उसी स्थान पर बनाई गई अस्थायी जेल में भेजा जाएगा। पीठ ने पूछा कि क्या पेड़ों को काटने के लिए वन प्राधिकरण या किसी अन्य स्थानीय प्राधिकरण से अपेक्षित अनुमति ली गई थी। इसने कहा कि यदि राज्य के अधिकारी किसी भी निर्देश का उल्लंघन करते पाए गए, तो इसकी जिम्मेदारी राज्य के मुख्य सचिव पर होगी। अदालत ने काटे गए पेड़ों की स्थिति के बारे में भी पूछताछ की।

महाकुंभ गर्ल मोनालिसा के निर्देशक पर लगा रेप का आरोप झूठा!

– महिला ने सनोज के खिलाफ रेप का केस लिया वापस

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म निर्देशक सनोज मिश्रा के ऊपर आरोप लगने के बाद हलचल मची हुई है। हाल ही में एक महिला ने लगाया था बलात्कार का आरोप लगाना, लेकिन अब उसने रेप के आरोप को झूठा बताते हुए अपना केस वापस ले ?लिया है। इस मामले में गहराई से जांच की जा रही है। जैसा कि वीडियो में महिला ने बताया, उसने सनोज मिश्रा के साथ काम करते हुए उनकी साजिश के प्रभाव में आकर एक झूठा केस दर्ज करा दिया था। लेकिन जब उसे हकीकत का पता चला, तो उसने अपना केस वापस लेने के फैसला किया। इस खुलासे के साथ ही महिला ने अन्य नाम भी साझा किए हैं, जिन्होंने उसे धमकाया और परेशान किया था। इस मामले में जाँच की जा रही है और सच्चाई की तलाश में कदम बढ़ा जा रहा है। सनोज मिश्रा के खिलाफ लगे आरोप के बाद यह घटना दर्शकों में चौंकाने वाली है। इस संदेह की गहराई में जाने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी और जिम्मेदारी साफ होगी।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के दो जिलों में सुरक्षा बलों ने हाल ही में चलाए गए तलाशी अभियान में बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई कांगपोकपी और इंफाल पूर्वी जिले के अलग-अलग इलाकों में की गई, जहां कथित तौर पर कुकी सशस्त्र समूहों ने बंकर बनाए थे। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने इन बंकरों को नष्ट कर दिया और अवैध हथियारों का जखीरा जब्त किया। यह जानकारी मणिपुर पुलिस ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है।कांगपोकपी जिले के एस.मोंगपी रिज क्षेत्र में पहले अभियान में एक 7.62 मिमी एसएलआर मैगजीन, एक .303 राइफल मैगजीन, एक सिंगल बैरल ब्रीच लोडिंग (एसबीबीएल) गन, दो 9 मिमी पिस्तौल मैगजीन, तीन एसबीबीएल गन कार्ट्रिज, तीन .303 गोला-बारूद और एक 38 मिमी एंटी-रायट कार्ट्रिज बरामद किया गया।इसके अलावा, संशोधित पोम्पी बम भी मिले, जिनमें एक लंबी दूरी का, पांच मध्यम दूरी के और दो छोटी दूरी के बम शामिल हैं। साथ ही तीन टियर स्मोक शेल और एक बाओफेंग रेडियो सेट भी जब्त किया गया।

सीएम ममता का तंज- भ्रष्ट जजों का सिर्फ स्थानांतरण होता है, शिक्षकों की छीन लेते हैं नौकरी

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सवाल उठाया कि जिन जजों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उनका केवल ट्रांसफर कर दिया जाता है। वहीं, शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने कहा, अगर किसी जज के घर से पैसे बरामद होते हैं, तो उसे केवल ट्रांसफर कर दिया जाता है। फिर इन उम्मीदवारों को क्यों बर्खास्त किया गया? मुख्यमंत्री का ये बयान उस वक्त आया जब बीते रोज सुप्रीम कोर्ट द्वारा 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द करने के फैसले दिया।

ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि पहले जज, जिन्होंने भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ फैसला दिया, अब भाजपा के सांसद बन गए हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और माकपा पर आरोप लगाया कि वे मिलकर इस फैसले को प्रभावित करने की साजिश कर रहे थे। मुख्यमंत्री ममता ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं इस देश की नागरिक हूं और मुझे हर अधिकार है। मैं इस फैसले को नहीं स्वीकार सकती। हालांकि मैं जजों का सम्मान करती हूं। मैं यह राय मानवीय दृष्टिकोण से व्यक्त कर रही हूं। कृपया भ्रम पैदा न करें। उन्होंने कहा कि हालांकि उनकी सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करेगी और चयन प्रक्रिया को फिर से दोहराएगी, लेकिन उन्होंने विपक्षी दलों भाजपा और माकपा पर बंगाल के शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने की कोशिश का आरोप लगाया।

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया था। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ये नियुक्तियों में काफी गड़बड़ी थी, इसलिए इन्हें अवैध माना गया।ममता ने हालांकि इस बर्खास्तगी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जो लोग उचित तरीके से नियुक्त हुए थे, उन्हें भी दंडित किया गया। उन्होंने कहा, यह केवल 25,000 उम्मीदवार नहीं हैं, उनके परिवारों पर भी असर पड़ा है। ममता ने चेतावनी दी कि स्कूलों में संकट उत्पन्न हो सकता है, क्योंकि अब हजारों अनुभवी शिक्षक नौकरी से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा, कक्षा 9-12 बहुत महत्वपूर्ण कक्षाएं हैं, ये उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश द्वार हैं। उनमें से कई बोर्ड परीक्षा की कॉपी जांच कर रहे हैं। क्या भाजपा और माकपा चाहते हैं कि शिक्षा प्रणाली ध्वस्त हो जाए? इस मामले में ममता बनर्जी ने न केवल न्यायिक फैसले की आलोचना की, बल्कि बंगाल के शिक्षा क्षेत्र में संभावित संकट को लेकर भी चिंता जताई है।

केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से होगी शुरू, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित टीमें तैयारियों में जुटीं

रुद्रप्रयाग । विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से शुरू होगी। इसके पहले जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित टीमें यात्रा की तैयारियों में जुट गई हैं। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने बताया कि सड़क मार्ग से लेकर केदारनाथ के पैदल रास्तों को तेजी से ठीक किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की टीमें पैदल मार्गों पर जमी मोटी बर्फ को हटाने में लगी हुई हैं। पिछले साल आई आपदा से टूटे रास्तों की मरम्मत हो रही है। डॉ. खाती ने बताया, हमारा लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। वहीं, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रामप्रसाद ने बताया कि इस बार केदारनाथ धाम में 17 बेड का अस्पताल तैयार कर रहे है। जैसे ही बर्फ हटाने का काम पूरा होगा, स्वास्थ्य विभाग की टीमें जरूरी सामान के साथ व्यवस्था जुटाने में जाएगी। उन्होंने कहा, गौरीकुंड से केदारनाथ तक पैदल मार्ग पर सभी मेडिकल रिलीफ पॉइंट्स को सुधारा जा रहा है। फाटा में इस बार हड्डी विशेषज्ञ डॉक्टर और एक्स-रे मशीन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा, यात्रा के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की मांग शासन से की गई है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो। बर्फबारी और आपदा के बाद रास्तों को सुरक्षित बनाना बड़ी चुनौती है। लेकिन, तैयारियां तेजी से चल रही हैं। हर साल लाखों श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए आते हैं। इस बार भी प्रशासन यात्रा को सफल बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता।

जब ताजमहल को वक्फ संपत्ति घोषित करने की उठी मांग, सुप्रीम कोर्ट ने फटकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगरा के ताजमहल को वक्फ संपत्ति घोषित करने के कई दावे हुए, लेकिन बोर्ड में दर्ज नहीं हो सका। बताया जाता हैं कि एक बार सुन्नी वक्फ बोर्ड ने ताजमहल को वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज कर लिया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के सामने शाहजहां के दस्तखत वाला वक्फनामा पेश नहीं कर सके। इसके बाद वक्फ बोर्ड ने अपना दावा स्वयं वापस ले लिया था। वहीं पूर्व मंत्री और सपा नेता मो. आजम खां ने भी 2014 में ताज को वक्फ संपत्ति घोषित करने की मांग उठा दी थी। 1998 में कारोबारी इरफान बेदार ने यूपी सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड से मांग की थी कि ताजमहल को वक्फ की संपत्ति घोषित कर बोर्ड उन्हें वहां का मुतवल्ली (केयर टेकर) बना दे। यह एएसआई के तहत आता था। इसलिए सुन्नी वक्फ बोर्ड ने एएसआई को नोटिस जारी किया था। इसके बाद बेदार खुद 2004 में मामले को लेकर इलाहबाद हाईकोर्ट पहुंचे और ताजमहल का मुतवल्ली बनाने की मांग की।

2005 में यूपी सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड ने ताज को वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत करने का फैसला किया। इधर, एएसआई ने वक्फ संपत्तियों से संबंधित विवाद के सभी मामलों के लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकरण-वक्फ न्यायाधिकरण के पास जाने के स्थान पर सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। 2010 में सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड के इस निर्णय पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड से सुबूत मांगे कि कैसे दावा कर रहा है।

बता दें कि बोर्ड ने दावा किया था कि मुगल बादशाह शाहजहां ने बोर्ड के पक्ष में ताजमहल का वक्फनामा किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि शाहजहां ने वक्फनामे पर दस्तखत कैसे किए। वे जेल में थे। वह हिरासत से ही ताज देखते थे। वहीं, एएसआई की ओर से एडीएन राव एडवोकेट ने कहा था कि बोर्ड ने जैसा दावा किया है, वैसा कोई वक्फनामा नहीं है। वर्ष 2014 में आजम खान ने कहा था कि दुनिया के अजूबों में से एक ताजमहल को वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित करना चाहिए। तब उन्होंने कहा था कि यह जायज इसलिए है क्योंकि ताजमहल दो मुसलमानों शाहजहां और उनकी पत्नी मुमताज का मकबरा है। खान ने दलील दी थी कि हर जगह मुसलमानों की कब्रें सुन्नी वक्फ बोर्ड के अधीन हैं। हालांकि उनकी मांग को ये कहते हुए खारिज कर दिया गया था कि ये राष्ट्रीय स्मारक के रूप में दर्ज है।

मणिपुर को लेकर राज्यसभा में सुबह 4 बजे तक हुई बहस फिर पास हुआ सांविधिक संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की पुष्टि करने वाले सांविधिक संकल्प पर सुबह 4 बजे तक बहस हुई इसके बाद उसे पास कर दिया गया। राज्यसभा ने शुक्रवार तड़के करीब चार बजे इस संकल्प को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। उन्होंने सदन में कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया था जिसके बाद राज्यपाल ने विधायकों से चर्चा की और बहुमत सदस्यों ने कहा कि वे सरकार बनाने की स्थिति में नहीं हैं।

इससे पहले विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मणिपुर में इतनी हिंसा के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उस राज्य में जाने का मौका अभी तक नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल पर जब जबरदस्त दबाव पड़ा तो वहां के मुख्यमंत्री को इस्तीफा दिया देने को मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि मणिपुर में भाजपा की 'डबल इंजन सरकारबुरी तरह विफल साबित हुई है। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन ने कहा कि मणिपुर में 22 माह से मणिपुर के हालात खराब हैं और प्रधानमंत्री एक बार भी वहां नहीं गये। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने मणिपुर को लेकर एक गुरूर का रवैया अपना रहा है।

हिंसाग्रस्त मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय के अनुरूप दो महीने के अंदर राष्ट्रपति शासन की पुष्टि के लिए एक सांविधिक संकल्प केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया।शाह ने कहा कि इसके बाद कैबिनेट ने राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा की जिसे राष्ट्रपति महोदया ने स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुरूप मैं दो महीने के अंदर इस संबंध में सदन के अनुमोदन के लिए सांविधिक संकल्प लाया हूं।' शाह ने कहा कि सरकार की पहली चिंता मणिपुर में शांति स्थापित करने की है और वहां पिछले चार महीने से एक भी मौत नहीं हुई है और केवल दो लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वीकार करते हैं कि मणिपुर में 260 लोग जातीय हिंसा में मारे गए किंतु वह सदन को बताना चाहते हैं कि पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा में इससे ज्यादा लोग मारे गए।गृह मंत्री ने मणिपुर में हालात बिगड़ने के पीछे एक अदालती निर्णय को मूल कारण बताया जिसमें एक जाति को आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि इस अदालती निर्णय पर अगले ही दिन उच्चतम न्यायालय ने रोक लगा दी थी। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि मणिपुर में जल्द शांति हो, पुनर्वास हो और लोगों के जख्मों पर मरहम लगाया जाए।

खड़गे की टिप्पणी पर सभापति धनखड़ बोले–किसान का बेटा किसी से नहीं डरता

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर कहा कि वह किसान के बेटे हैं और इस देश का किसान किसी से नहीं डरता। राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के बाद रात ढाई बजे के करीब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में लगाए गए राष्ट्रपति शासन पर संवैधानिक संकल्प को चर्चा के लिए प्रस्तुत किया। इस पर खड़गे ने अनुरोध किया कि यह चर्चा सदन की अगली बैठक में कराई जा सकती है क्योंकि अभी काफी रात हो गई है। खड़गे ने इस पर कुछ टिप्पणी की, जिसे सभापति धनखड़ ने तत्काल सदन की कार्यवाही से हटा दिया। उन्होंने खड़गे की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि भारत का किसान और किसान का बेटा किसी से नहीं डरता है। इसके बाद खड़गे ने संवैधानिक संकल्प पर चर्चा की शुरुआत की। खड़गे बोल ही रहे थे कि सभापति आसन से उठकर जाने लगे और उपसभापति हरिवंश उनकी जगह पर कार्यवाही का संचालन करने के लिए आए। इस पर कांग्रेस नेता खड़गे ने सभापति से कहा कि सर, अगर आप चले गए तो हमारा पूरा जोश चला जाएगा। खड़गे की इस टिप्पणी पर उपसभापति हरिवंश ने हंसते हुए सवाल किया, कि मेरे आने पर जोश कम हो गया? जवाब में खड़गे ने सत्ता पक्ष के सदस्यों की तरफ इशारा करते हुए कहा– नहीं, आपका फिक्स है, एक बार आप बैठते हैं तो फिर उधर ही देखते हैं। इस पर उपसभापति ने कहा कि मैं आपको ही देखता हूं।

केंद्र के साथ हिंदी विवाद के बीच तमिलनाडु को झटका, राष्ट्रपति ने एनईईटी विरोधी विधेयक किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार द्वारा मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रव्यापी प्रवेश परीक्षा एनईईटी से राज्य को छूट देने के प्रयास को शुक्रवार को झटका लगा, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्य को कक्षा 12वीं के अंकों के आधार पर छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति देने वाले विधेयक को अस्वीकार कर दिया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा को विधेयक की अस्वीकृति की जानकारी दी, जिसे राज्य विधानमंडल ने 2021 और 2022 में दो बार पारित किया था और तब से केंद्र सरकार से मंजूरी का इंतजार कर रहा था। पिछले साल जून में, विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें केंद्र सरकार से एनईईटी को खत्म करने और राज्यों को स्कूल के प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश निर्धारित करने की अनुमति देने का आग्रह किया गया था।

अस्वीकृति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, स्टालिन, जिनका अगले साल के चुनावों से पहले परिसीमन अभ्यास और हिंदी थोपने जैसे प्रमुख मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ विवाद चल रहा है, ने कहा कि तमिलनाडु का अपमान किया गया है और इसे 'संघवाद में एक काला दौर' कहा है। तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान करने के बावजूद, केंद्र सरकार ने एनईईटी से छूट को अस्वीकार कर दिया है,' स्टालिन ने विधानसभा में कहा।

इसके बाद उन्होंने सभी विधायक दलों की बैठक बुलाई - परिसीमन अभ्यास के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों पर की गई चर्चाओं के समान, जिसके बारे में सत्तारूढ़ छ्रम्ब्य का तर्क है कि इससे लोकसभा में दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा और केंद्र में उनका प्रभाव कम हो जाएगा - ताकि अगली कार्रवाई का निर्धारण किया जा सके। स्टालिन ने एनईईटी के खिलाफ अपनी लंबे समय से चली आ रही लड़ाई के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो 2017 से मेडिकल प्रवेश के लिए अनिवार्य है।

विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अमित शाह इस माह तीन राज्यों का करेंगे दौरा

–बिहार में बीजेपी मजबूत, पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में मिल रही चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर इस माह बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु जाएंगे। बीजेपी बिहार में अपने सहयोगियों के साथ सत्ता बरकरार रखना चाहती है और दो अन्य राज्यों में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि शाह इन राज्यों में चुनाव तक करीब हर महीने बीजेपी की संगठनात्मक बैठकें लेंगे। उन्होंने बताया कि उनके 14 और 15 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में और 30 अप्रैल को बिहार जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अगले साल मार्च-अप्रैल में चुनाव होने हैं, साथ ही असम, केरल और पुडुचेरी में भी चुनाव होने हैं। बिहार में एनडीए सरकार में बीजेपी सबसे बड़ी सहयोगी है, जिसमें जनता दल (यूनाइटेड) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) शामिल हैं। जेडी(यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार करीब 20 साल से राज्य के सीएम हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में बीजेपी को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रयासों को अब तक केवल आंशिक सफलता ही मिली है क्योंकि यह सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी के लिए मुख्य चुनौती बनकर उभरी है, लेकिन 2011 से उनके निरंतर शासन को समाप्त करने के अपने प्रयासों में विफल रही है। लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर अपने हस्तक्षेप के दौरान अमित शाह ने राज्य की राजनीति से संबंधित टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के कटाक्षों का सामना करने के बाद शाह ने बनर्जी से संसद में बहस को राजनीतिक लाभ के लिए युद्ध का मैदान न बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूं कि बीजेपी को बंगाल में इस बार ज्यादा सीटें मिलेंगी। 2021 में 294 सदस्यीय बंगाल विधानसभा में टीएमसी ने 215 और बीजेपी ने 77 सीटें जीती थीं। वहीं तमिलनाडु में हमेशा हाशिए पर रहने वाली बीजेपी से व्यापक रूप से मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के साथ अपने गठबंधन को पुनर्जीवित करने की उम्मीद है, ताकि दक्षिणी राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक को टक्कर दी जा सके, जहां 2021 में सत्ता में आने के बाद से मौजूदा गठबंधन प्रमुख रहा है। एआईएडीएमके नेता एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने हाल ही में शाह से मुलाकात की, जिससे दोनों दलों के एक साथ आने की संभावना बढ़ गई है।

ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ कई देशों ने किया पलटवार, जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि जो देश अमेरिकी सामानों पर भारी टैरिफ लगाते हैं, उन्हें अब उसी तरह का जवाबी शुल्क झेलना पड़ेगा। इस घोषणा के बाद कुछ देशों ने ट्रंप के खिलाफ पलटवार की तैयारी शुरू कर दी है, जबकि कुछ डील की तलाश में शांत रुख अपनाए हुए हैं। टैरिफ योजना 9 अप्रैल से प्रभावी होगी, यानी अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के पास कुछ दिन हैं ट्रंप प्रशासन से समझौता करने के लिए। लेकिन कई देश इस योजना के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी में हैं। कनाडा ने साफ तौर पर कहा है कि वह अमेरिका की इस नीति के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा। यूरोपीय संघ ने भी तीखा रुख अपनाया है। फ्रांस की सरकारी प्रवक्ता सोफी प्रीमा ने कहा कि ईयू व्यापार युद्ध के लिए तैयार है और अमेरिकी ऑनलाइन सेवाओं पर हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि ईयू दो चरणों में प्रतिक्रिया देगा - मध्य अप्रैल तक स्टील और एल्युमिनियम पर शुरुआती जवाबी कार्रवाई, अप्रैल के अंत तक सभी अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं पर विस्तृत जवाबी टैरिफ।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि चीन अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाबी कदम उठाएगा।ताइवान ने टैरिफ को बेहद अनुचित बताया। कैबिनेट प्रवक्ता मिशेल ली ने कहा कि ताइपे को ट्रंप द्वारा अपने निर्यात पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा पर गहरा खेद है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनके देश पर लगाया गया अमेरिकी शुल्क पूरी तरह से अनुचित है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के नॉरफॉक द्वीप पर लगाए गए 29 प्रतिशत शुल्क ने सभी हैरान हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के इस क्षेत्र की आबादी महज 2,000 लोगों की है और इसकी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने यूरोपीय संघ पर नए 20 प्रतिशत टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए इस उपाय को विश्व अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका बताया। उन्होंने कहा, दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए इसके परिणाम भयानक होंगे। उन्होंने कहा कि किराने का सामान, परिवहन और दवाइयों की कीमतें बढ़ जाएंगी।

फसलों के बीज जनित रोग का नियंत्रण आवश्यकता

बीज और बीज जनित रोगों का चोली दामन का साथ है अधिकांश बीमारियाँ बीजारूढ़ होती है जिनके नियंत्रण से बुआई पूर्व ही लाभ हो जाता है।

समुचित कटाई व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण

फसल की कटाई अगर सही समय पर की जाये तो स्वस्थ एवं रोग रहित बीज प्राप्त किया जा सकता है। कटाई से पूर्व किसान भाई अवांछित खरपतवार एवं उसी फसल की दूसरी किस्मों को तथा रोग्रस्त पौधों को अलग करके फसल की कटाई करें, कटाई के समय बीज में नमी का भी सही स्तर होना आवश्यक है, यदि बीज ज्यादा सूख जाता है तो दाबन के समय वह चोटिल हो जाता है और उगने में सक्षम नहीं रहता है, इसी प्रकार जरूरत से ज्यादा नमी होने पर बी के ऊपर फफूंद लगाने का भय रहता है, कटाई के पश्चात बीज को आधुनिक भंडारगृह में 8-8-5 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

बीजोपचार के लिए अनुशंसा

क्रमांक	फसल	रसायन का नाम	रसायन मात्रा ग्राम किग्रा
	सस्य फसलें		
1	धान	बाविस्टिन /थायरम	1 : 2
2	गेहूँ	विटावैक्स /रैक्सिल	2.5 /1.5
3	मक्का	थायरम / कैप्टान	3
4	अरहर, चना, मूँग, सनई	बाविस्टिन /थायरम	3
5	आलू	साफ / कम्पेनियन	2
6	मसूर	बाविस्टिन /थायरम	2 / 3
7	सरसों	बाविस्टिन / थायरम	2 / 2
8	मूँगफली	बाविस्टिन /थायरम	2 / 2
	शाक दृ सब्जियाँ		
1	मटर एवं अन्य फलीदार सब्जियाँ	कैप्टान / थायरम	3
2	भिण्डी	कैप्टान / थायरम	3
3	बैंगन	थायरम /बाविस्टिन	3 / 2
4	मिर्ची	बाविस्टिन	2
5	गोभी	बाविस्टिन	2
6	टमाटर एवं पत्तीदार सब्जियाँ	बाविस्टिन	2
7	गाजर, प्याज, मूली एवं शलजम	बाविस्टिन	2
8	बीन फलियाँ	बाविस्टिन	2

बीज की सफाई

बीज के साथ मिश्रित उसी फसल के तने, शाखा, फल्लियों, पत्तियों के टुकड़े तथा मिट्टी के कण पाये जाते हैं इन अवांछित भागों पर रोगकारक फफूंदियों जीवाणुओं के संक्रमण भाग उपस्थित हो सकते हैं, किसान हाथ द्वारा बीज को साफ करके रोगजनक के प्राथमिक स्त्रोत को नष्ट कर सकते हैं जैसे- गेंहू की टुंडू बीमारी के कॉकिल्स, अलसी रस्ट में संक्रमित भागों को तथा बाजरा के अर्गट में स्क्लेरोशिया को हाथ से निकालकर नष्ट किया जा सकता है।

बीजोपचार

बीजोपचार, बी जनित रोगों की रोकथाम का सबसे सस्ता व सरल उपाय है, बीजोपचार का मुख्य उद्देश्य बीज तथा भूमि में उपस्थित रोगजनकों से बीज की रक्षा करना है, बीजोपचार की निम्नलिखित विधियाँ हैं:

भौतिक विधियां

बीजोपचार की भौतिक विधियां प्राचीनकाल से ही प्रचलित है, 1670 में गेहूँ से भरे जहाज में समुद्र का खास पानी भर गया जब इस गेहूँ को पुनः सुखाकर बीज के रूप में बोया तब यह पाया गया कि उनसे उगे गेहूँ के पौधे बदबूदार कण्डवा रोग से ग्रस्त नहीं हुये रेमनेन्ट ने सन 1637 में नमक को बीजोपचारक रूप में प्रयोग कर गेहूँ के कण्डवा रोग की रोकथाम की इसी प्रकार प्राचीनकाल से ही यह प्रचलित है कि बोने से पूर्व बीज को सूर्च की तेज धूप में सुखाया जाये और फिर बोया जायें

सूर्यताप द्वारा बीजोपचार

बीज के आंतरिक भाग में (भूरण) में रोगजनक को नष्ट करने के लिए रोगजनक की सुषुप्तावस्था को तोड़ना होता है जिसके बाद रोगजनक बिल्कुल नाजुक अवस्था में आ जाता है जिसे सूर्य की गर्मी द्वारा नष्ट किया जा सकता है, गेहूँ, जौ एवं जई का छिदरा कंडवा रोग आंतरिक बीज जन्य रोग है। इनके नियंत्रण हेतु बीज को पहले पानी में 3-4 घंटे भिगोते हैं और फिर सूर्य ताप में 4 घंटे तक रखते हैं जिससे बीज के आंतरिक भाग में उपस्थित रोगजनक का कवकजाल नष्ट हो जाता है।

गर्म जल द्वारा बीजोपचार

इस विधि का प्रयोग अधिकतर जीवाणु एवं विषाणुओं की रोकथाम के लिए किया जाता है। इस विधि में बीज या बीज के रूप में प्रयोग होने वाले भागों को 53-54 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 15 मिनट तक रखा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते हैं जबकि बीज अंकुरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जैसे यदि गाजर के बीज को गर्म जल में 50 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट तक रखा जाये तो आल्टरनेरिया नष्ट हो जाता है।

गर्म वायु द्वारा

गर्म वायु के प्रयोग द्वारा भी बीजों को उपचारित किया जा सकता है, जैसे- टमाटर के बीजों को 6 घंटे तक 29-37 डिग्री सेल्सियस पर सुखाया जाये तो फाइटोपथोरा इन्फेस्टेंस का असर खत्म हो जाता है। इसी प्रकार यदि टमाटर के बीजों को 76 डिग्री सेल्सियस गर्म वायु में 2 दिन तक रखा जाये तो मोजेक रोग का प्रकोप कम होता है।

विकिरण द्वारा

इस विधि में विभिन्न तीव्रता की अल्ट्रावयलेट या एक्स किरणों को अलग-अलग समय तक बीजों पर गुजारा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते है।

रसायनिक बीजापेचार

इस विधि में रसायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है ये दैहिक या अदैहिक फफूंदनाशक या एण्टीबायोटिक हो सकते हैं यह रसायनिक फफूंदनाशक बीज के अंदर अवशेषित होकर अंतः बीज जनित रोगाणुओं को नष्ट करते हैं या यह एक संरक्षक कवच के रूप में बीज के चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे बीज पर रोगाणुओं का संक्रमण नहीं हो पाता, फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में सर्वप्रथम 1760 में प्रयोग किया गया शुल्येश ने सर्वप्रथम गेंजू के कंडव रोग से बचाने हेतु कॉपर का प्रयोग किया 1913 में रहिन ने आर्गेनिक पारायुक्त फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सन 1941 में हैरिगंटन ने घास (भान) रोग की रोकथाम के लिए थाइरम का उपयोग किया, सन 1952 में कैप्टन को बीजरक्षक फफूंदनाशक के रूप में उपयोग किया गया। सन 1968 में बेनोमिल की सर्वांगी फफूंदनाशक के रूप में खोज के पश्चात इस क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कार्बोक्सिन, मेटालेक्सिन व दूसरे सर्वांगी फफूंदनाशक जैसे-थायरम, कैप्टान, एग्रोसान, डायथेन एम-45, डायफोलेटॉन की 2-5 से 3-0 ग्राम मात्रा जबकि दैहिक फफूंदनाशकों जैसे-कार्बोन्डाजिम, बीटावैक्स, वेनलेट, बेनोमिल की 1-5 से 2-0 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के उपचार के लिए पर्याप्त होती है, फफूंदनाशक दवाओं से बीजोपचार मुख्यतः निम्न विधियों से किया जाता है

सूखा उपचार

यह विधि सोयाबीन, ज्वार, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरहर, सूर्यमुखी, गेहूँ, चना, अलसी, सरसों आदि के लिए उपयुक्त हैं, बीजोपचार के लिए बीज तथा फफूंदनाशक दवा की उपयुक्त मात्रा को बीजोपचार ड्रम या मिट्टी के घड़े में डालकर 10 मिनट तक घुमाते है।

गीला उपचार

यह विधि प्रायः ऐसी फसलों के लिए प्रयोग में लाई जाती है जिसके कंद तथा तना आदि बीज के रूप में प्रयोग किये जाते हैं जैसे-गन्ना, आलू, अदरक, हल्दी, लहसुन, अरबी आदि बीजोपचार के लिए आवश्यक मात्रा में पानी व दवा का घोल बनाकर उसमें 10 मिनट तक बीज को डुबोकर रखते फिर बोनी करते है।

स्लीरी विधि

यह एक व्यापारिक विधि है जिसमें बड़े स्तर पर बीजोपचार करते हैं इस विधि में कवकनाशी की निर्धारित मात्रा का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बीज की मात्रा के साथ अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह सुखाने के पश्चात्बीज को बेचने के लिए पैक कर संग्रहित करते हैं।

धूमीकरण

बीजजन्य रोगों के नियंत्रण हेतु यह एक अच्छी विधि है इस विधि में सोयाबीन के बीजों को फार्मेल्डिहाइड के साथ 2 घंटे तक या हाइड्रोजोइक अम्ल को 53 घंटे तक धूमीकृत करने से 80 प्रतिशत तक जीवाणु मुक्त बीज मिलते हैं।

जैविक बीजोपचार

यह कवकीय या जीवाणुवीय उत्पति के होते हैं जो कि पीथियम, राइजोक्टोनिया, फ्यूजेरियम, फाइटोफ्थोरा स्केलेरोशियम, मैक्रोफोमिना इत्यादि होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे-जड़ गलन, अर्द्रगलन, उकठा, बीज सड़न, अंगमारी आदि को नियंत्रित करते हैं, जैव नियंत्रण हानिकारक कवकों के लिए या तो स्थान, पोषक पदार्थ, जल, हवा की कमी कर देते हैं या फिर रोगजनक के शरीर से चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रति जैविक पदार्थ द्वारा उपयोग कर लेते हैं जिससे रोगकारक जीव नष्ट हो जाता है। ट्राइकोडर्मा प्रजाति, वैसिलस सबटिलिस, स्यूडोमोनास प्रजाति, ग्लोमस प्रजाति प्रमुख जैव नियंत्रण हैं जिनकी 4-5 ग्राम मात्रा बीजोपचार के लिए पर्याप्त है।

स्वयं बीज का उत्पादन कैसे करें किसान

कृषक यदि अपना स्वयं का बीज तैयार करें तो वह बहुत सी समस्याओं से बचकर कम लागत में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता है:

रकबा व क्षेत्र का चुनाव

किसान भाई जितने क्षेत्र में फसल उगाना चाहें उसके दशवें भाग में बीजोत्पादन करना चाहिए अर्थात यदि 10 एकड़ की फसल के लिये बीज तैयार करना हो तो एक एकड़ जमीन में बीज बोने की जरूरत होगी। बीजोत्पादन हेतु ऐसा खेत चुने जिसमें पिछले सीजन में वह फसल न उगाई गई हों, खेत अच्छी तरह समतल हो, मिट्टी उपजाऊ तथा कार्बनिक पदार्थों से पूर्ण हो जैसे-हरी खाद, गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि खेत सिंचित हो तो अच्छा रहेगा।

भूमि की तैयारी एवं किस्म का चुनाव

फसल की कटाई के उपरांत फसल के अवशेषों को खेत से हटा देना चाहिए, तीन-चार जुताई करके खेत की मिट्टी भुरभुरी कर लेना चाहिए, खेत में पानी का भराव नहीं होना चाहिए।

बीज-बीज उत्पादन के लिए किस्म का चुनाव भौगोलिक क्षेत्र की कृषि-जलवायु के अनुकूल होना चाहिए। बोये जाने वाले बीज की अनुवांशिक शुद्धता व बीज की अन्य गुणवत्ता विश्वसनीय व प्रमाणित होनी चाहिएं यदि किसान भाई 'आधार बीज' का उत्पादन करना चाहते हैं, तो उसके लिये 'प्रजनक बीज' की बुवाई की जाती है तथा यदि किसान भाई 'प्रमाणित बीज' का उत्पादन लेना चाहते हो तो बीज के लिये 'आधार बीज' बोना चाहिए, किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य कराने के उद्देश्य से बीज का प्रगुणन चार चरणों में किया जाता है जो इस प्रकार है

अंकुरण की जांच एवं बीजोपचार

बीज का उपचार थीरम तथा वाविस्टीन (1:1) कवकनाशियों से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें, इसके बाढ़ राइजोबियम कल्चर तथा पी.एस.बी. का भी प्रयोग किया जाना चाहिए, इनकी दर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से रखना चाहिए।

बुवाई-बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई सही समय पर होनी चाहिए, निर्धारित कतार में ही करें साथ ही लाइन व पंक्ति की दूरी फसल के अनुरूप होनी चाहिए।

खाद तथा उर्वरक

बीज की गुणवत्ता तथा भूमि की भौतिक दशा बनाये रखने के लिये 10-15 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से हर तीसरी वर्ष डालना चाहिए, उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में करना चाहिए। पौधों की वांछनीय वृद्धि के लिए उर्वरकों को भूमि में 5-7 सेमी? की गहराई पर बीज के नीचे डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

आवश्यकता से अधिक पानी को खेत में अति शीघ्र निकाल देना चाहिए, निम्न अवस्थाओं में पानी की कमी होना सबसे हानिकारक होता है, जैसे- अंकुरण की अवस्था, फूल आने पर, फली बनने पर व दाना भरने की अवस्था में यदि पानी की कमी होगी तो बीज की गुणवत्ता खराब होगी।

विभिन्नता दिखाने वाले पौधों को पहचानना व निकालना

बीज की जातीय शुद्धता बनाये रखने के लिए फसल का समय-समय पर सावधानीपूर्व क निरीक्षण करते रहना चाहिए। यदि फसल के अंदर कोई अन्य जाति या किस्म के पौधे उग आये हो अथवा रोग व कीटग्रस्त पौधों को निकालते रहे, जिस किस्म का बीजोत्पादन कर रहे हैं, उसके पौधों के गुणों से भिन्न गुणों वाले पौधों को फूल आने के पूर्व या फूल आते ही निकाल देना चाहिए। साथ ही फसल में किसी प्रकार के खरपतवार भी नही चाहिए।

कटाई व गहाई

फसल की कटाई समय पर ही करनी चाहिए, समय से पहले कटाई करने से बीज सिकुड़े हुए झुर्रीदार व दाने हरे बनने की समस्या होती है, जबकि देर से कटाई करने पर फली चटखने की सम्भावना रहती है। कटाई के समय 95 प्रतिशत फल्लियाँ पकी होनी चाहिए। फसल की गहाई जिस स्थान अथवा यंत्र से करें उसे भली-भांति साफ कर लें ताकि दूसरे किस्म के बीज न मिल पाये। बीज को सुखाने, सफाई व श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) पक्के फर्स या त्रिपाल पर करें, बीज को 2-3 दिन धूप में सुखायें जिससे उपर्युक्त नमी हो जाये। परन्तु बीज को कभी भी सीधे सूर्च के प्रकाश में अधिक तापमान पर न सुखायें, बीज को अच्छी तरह साफ करें, फल्लियों व पौधों के टुकड़े मिट्टी, कंकड़, खरपतवार के बीज, टूटे-फूटे बीज आदि निकाल देना चाहिए। इसके पश्यात मशीन या हाथ के छलनी से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें तथा हल्के सुकड़े तथा रोगग्रस्त बीज निकाल दें।

बीजोपचार

स्वस्थ एवं नीरोग बीज के द्वारा ही फसलों का वांछित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बीजों को अस्वस्थ करने वाले कारकों में कवक, जीवाणु तथा सूत्रकृमि मुख्य हैं। बहुत से रोगों के जनक बीज के साथ, बीज की सतह पर या बीज के अन्दर रहते हैं तथा बीज को अस्वस्थ कर देते हैं। रोगी बीज का जमाव कम होता है तथा बीज के साथ रोगजनक एक जगह से दूसरे जगह आसानी से पहुँच जाते हैं। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने या बीजोपचार द्वारा फसल को बीजजनित रोगों से प्रारंभिक अवस्था में बचाया जा सकता है। रासायनिक बीजोपचार द्वारा बीजजनित रोग जनकों के नियंत्रण के साथ-साथ फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले मृदाजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलती है तथा जमाव अच्छा होता है। बीजोपचार सस्ता एवं सुविधाजनक भी हैं बीजोपचार अवश्य करना चाहिए। रसायन उपचारित बीज को कभी भी जानवरों या मनुष्यों को नहीं खिलाना चाहिए तथा बीजोपचार करने के लिए प्रयुक्त ड्रम या बर्तन को कभी भी पानी या अनाज रखने के लिए प्रयोग न करें। कुछ प्रमुख फसलों के लिए राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुशंसित बीजोपचार के लिए अपेक्षित मात्रा नीचे दी जा रही है।

अनाज के सुरक्षित भण्डारण के उपाय

नरेन्द्र कुमार एवं विवेक कुमार कीट विज्ञान विभाग एवं उद्यान विज्ञान विभाग विद्यावाचस्पति शोध छात्र, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर राजस्थान

फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का होता है। अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए वैज्ञानिक विधि अपनाने की जरूरत होती हैए जिससे अनाज को लंबे समय तक चूहेए कीटोंए नमीए फफूंद आदि से बचाया जा सके। भण्डारण की सही जानकारी न होने से 10 से 15 प्रतिशत तक अनाज नमीए दीमकए घुनए बैक्टीरिया द्वारा नष्ट हो जाता है। अनाज को रखने के लिए गोदाम की सफाई कर दीमक और पुराने अवशेष आदि को बाहर निकालकर जलाकर नष्ट कर दे। दीवारों, फर्श एवं जमीन आदि में यदि दरार हो तो उन्हे सीमेंटए ईट से बंद करे दें। टूटी दीवारों आदि की मरम्मत करा दें।

भण्डारण में होने वाली इस क्षति को रोकने के लिए किसान सुझावों को ध्यान में रखकर अनाज को भण्डारित कर सकते हैं। अनाजों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा कर धूप में सुखा लेना चाहिए, जिससे कि दानों में 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहने पाए। अनाज में ज्यादा नमी रहने से फफूंद एवं कीटों का आक्रमण अधिक होता है। अनाज को सुखाने के बाद दांत से तोड़ने पर कट की आवाज करें तो समझना चाहिए कि अनाज भण्डारण के लायक सूख गया है। इसके बाद अनाज छाया में रखने के बाद ठंडा हो जाने के बाद ही भण्डार में रखना चाहिए।

भंडारण के लिए तैयार करें लकड़ी और तख्ते का मंच: अनाज से भरे बोरे को भण्डार गृह में रखने के लिए फर्श से 20 से 25 सेमी की ऊंचाई पर बांस या लकड़ी के तख्ते का मंच तैयार करना चाहिए, जो दीवार से कम-से-कम 75 सेमी की दूरी पर हो। बोरियों के छल्लियों के बीच भी 75 सेमी खाली स्थान रखना फायदेमंद होता है। गोदाम में पक्षियों एवं चूहों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर देना चाहिए।

अनाजों व दालों का भंडारण

कुछ पारंपरिक अन्न भंडारण के तरीके जैसे आनाजों व दालों के कड़वा तेल लगानाए राख मिलानाए नीम, लहसुन व करंज के पत्ते कोठी में बिछाना, सूखे हुए लहसुन के डंठल रखना आदि। अनुसंधानों द्वारा यह पाया गया कि परंपरागत तरीके से आनाज व दालों में 10-20 प्रतिशत तक राख मिलाने से वो खराब नहीं होते पर आवश्यक है कि राख को छानकर व सुखा कर ही डाला जाय। राख की रगड़ खाकर कीड़े मर जाते और दानों के बीच की जगह जहां हवा हो सकती है, वहां राख आ जाने से हवा नहीं रहती। इस प्रकार राख मिलाना लाभप्रद होता है।

भंडारण करने से पहले यह सावधानियां जरूरी

■ अनाज भरे बोरे को छल्लियों या अन्न के ढेर को प्रधूमित करने के लिए एल्मुनियम फॉस्फाइड का पाउच आवश्यकतानुसार रखकर पॉलीथीन चादर से अच्छी तरह ढक कर उसके किनारे को सतह के साथ गीली मिट्टी से वायुरुद्ध कर देना चाहिए।

■ चूहों से बचाने के लिए एक ग्राम जिंक फॉस्फाईड और उन्नीस ग्राम सत्तू या आटा में थोड़ा सरसों तेल मिलाकर एवं लगभग 10 ग्राम की गोली बनाकर चूहों के आनेज़ाने के रास्ते पर गिनती में रख देना चाहिए।

■ खुले हुए अनाज पर कीटनाशी नहीं रखना चाहिएए चूहा शंकालु प्रवृत्ति का होता है। इसलिए बदलबदल कर विषाक्त चाराए चूहेदानी एवं टिकिया को रखना चाहिए। दवा अनाज में देने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

■ पुराना आनाज एवं भूसा इत्यादि को निकल कर एक महीने पहले सफाई कर चूहों द्वारा किए गए छेद एवं अन्य टूटफूट की मरम्मत कर नीम की पत्ती का प्रधुमन करके अच्छी तरह से भण्डारण को बंद कर देंए जिसमें छुपे हुए भण्डारण कीट नष्ट हो जाए एवं अन्य भण्डारण बोरी को खौलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा ले।

■ अन्न का भंडारण करते समय हवा के रुख को अवश्य ध्यान रखे अगर पुरवा हवा चल रही होए तब अन्न का भंडारण न करें। अनाज भंडारण में नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अन्न की बोरी में रखे।

भंडारण गृह में न हो सीलन

भण्डारण के लिए वैसे भण्डार गृह का चयन करना चाहिए, जहां सीलन नमी न हो एवं चूहों से अन्न का बचाव किया जा सके। भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायु भी किया जा सके। भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोठियों को साफ सुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करने के लिए मेलाथियान 50 प्रतिशत का पानी में 1रू100 में बने घोल को दीवारों एवं फर्श पर प्रति एक सौ वर्ग मीटर में तीन लेयर घोल की दर से छिड़काव करना चाहिए। बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खौलते पानी में डाल देना चाहिए। इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मालाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।

त्रिविक्रम की फिल्म में काल्पनिक किरदार में नजर आएंगे अल्लू अर्जुन

पुष्पा राज फेम अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी कई आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में खबर आई थी कि अल्लू जवान के निर्देशक एटली के साथ फिल्म करने वाले हैं, वहीं अब यह चर्चा जोरो पर है कि अल्लू निर्देशक त्रिविक्रम के साथ भी एक पौराणिक फिल्म कर सकते हैं।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

123 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, पुष्पा 2 – द रूल की सफलता के बाद अल्लू अर्जुन निर्देशक त्रिविक्रम के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर काम कर रहे हैं। नागा वामसी ने पुष्टि की है कि इस आगामी प्रोजेक्ट की शूटिंग अक्तूबर 2025 में शुरू होगी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि यह फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं के एक काल्पनिक किरदार पर आधारित होगी, जिसे अल्लू निभाएंगे।

फिल्म में कैसा होगा अल्लू का किरदार

वहीं फिल्म में यह अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि इसमें अल्लू भगवान कुमारस्वामी का किरदार निभाते नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक निर्माताओं की ओर से इस फिल्म के बारे में कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बहरहाल, फिल्म की पूरी कास्ट के बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इतना तय है कि इस फिल्म को नागा वामसी और फॉर्च्यून फोर सिनेमा साथ मिलकर बनाएंगे। उम्मीद है कि यह फिल्म 2026 या उसके बाद रिलीज होगी।

अल्लू अर्जुन का करियर

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द रूल 4 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई थी। यह अल्लू के करियर की ब्लॉकबस्टर फिल्म रही। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों की कमाई कर कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़े। इस फिल्म में अल्लू के साथ रश्मिका मंदाना की जोड़ी को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया।

अवंतिका दसानी ने झेले ढेरों रिजेक्शन

वेब सीरीज मिथ्या से अपनी एक्टिंग पारी शुरू करने वाली एक्ट्रेस अवंतिका दसानी ने हाल ही में फिल्म इन गलियों में के जरिए बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू किया। इसी सिलसिले में हुई एक खास मुलाकात के दौरान जानी-मानी अदाकारा भाग्यश्री की बिटिया अवंतिका ने अपने फिल्मी सफर के बारे में कुछ रोचक खुलासे किए

फिल्मी परिवार के बच्चों के बारे में ऐसा माना जाता है कि उन्हें आसानी से थाल में सजाकर फिल्में मिल जाती हैं। हालांकि, यह बात हर स्टार किड पर लागू नहीं होती। कम से कम मैंने प्यार किया फेम एक्ट्रेस भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दसानी का अनुभव तो यही रहा है। साल 2022 में वेब सीरीज मिथ्या से एक्टिंग करियर शुरू करने वाली अवंतिका ने हाल ही में फिल्म इन गलियों में के जरिए बड़े पर्दे पर डेब्यू किया है। अवंतिका के मुताबिक, इस फिल्मी सफर में उन्होंने इतने रिजेक्शन सहे हैं कि उसकी गिनती भी याद नहीं।

पैरंट्स की बदौलत नहीं मिलता काम

स्टार किड होने के बावजूद इंडस्ट्री में अपने संघर्षों के बारे में अवंतिका बताती हैं, हमारी इंडस्ट्री में किस्मत बहुत अहम है। आप जितनी भी कोशिश करो, आप कभी लकी होंगे, कभी नहीं, तो यह बहुत बड़ी चुनौती होती है। साथ ही, कई मुश्किलें ऐसी होती हैं, जिसका लोगों को यकीन भी नहीं होता, जैसे लोगों को लगता है कि हमारे पैरंट्स इंडस्ट्री से हैं तो हमें बड़ी आसानी से काम मिल जाता है, मगर ऐसा नहीं है। मैंने इतने ऑडिशन दिए हैं, इतने रिजेक्शन झेले हैं कि उसकी गिनती भी मुझे याद नहीं है और यह हर रोज होता है। इसके बावजूद, मैं इस उम्मीद में डटी हुई हूं कि शायद आने वाले समय में अच्छा काम मिलेगा, जहां यह दिखा पाऊं कि हममें क्या क्षमता है।

तय किया था, एक्ट्रेस नहीं बनूंगी

मां भाग्यश्री और भाई अभिमन्यु दसानी के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को ही करियर चुनने के फैसले पर अवंतिका कहती हैं, असल में मैंने यह फैसला बहुत देर से लिया। मैंने लंदन से बिजनेस ऐंड मार्केटिंग की पढ़ाई की है। मैंने कारपोरेट में काम भी किया है। हालांकि, मुझमें क्रिएटिविटी और परफॉर्मेंस का कीड़ा स्कूल से था। मुझे उसमें मजा आता था, मगर कभी इस चीज को सीरियसली नहीं लिया। उल्टे स्कूल में जब लोग मुझे बोलते थे कि तुझे क्या फर्क पड़ता है, तू तो एक्ट्रेस ही बनेगी तो मुझे बहुत चिढ़ होती थी। मुझे बिल्कुल पसंद नहीं था कि मुझे एक बॉक्स में डाला जाए, क्योंकि मुझे जिंदगी में जो करना है, मैं कर सकती हूं। इसलिए, इसका विरोध करने के लिए मैंने तय किया था कि मैं एक्टिंग नहीं करूंगी। मुझे उन्हें दिखाना था कि चूंकि आपको ऐसा लगता है कि मैं एक्टर ही बनूंगी तो मैं ऐसा नहीं करूंगी। इसलिए, मैंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और मार्केटिंग में अंडर ग्रेजुएशन किया। काम भी किया लेकिन मैं अपने काम को उतना एंजॉय नहीं कर रही थी। कहीं ना कहीं वह क्रिएटिविटी मुझे खींच रही थी, तब मैंने एक्टिंग वर्कशॉप करना शुरू किया और मुझे एक्टिंग के प्रॉसेस से प्यार हो गया। मम्मा कहती हैं, आंखों में सचाई दिखनी चाहिए अवंतिका को अपनी मां भाग्यश्री से सबसे पते की सलाह क्या मिली? यह पूछने पर उन्होंने बताया, मम्मा एक ही चीज बोलती हैं कि आप जो भी डायलॉग बोलो, कुछ भी ऐक्शन करो, वो इमोशन आपकी आंखों में दिखना चाहिए। अगर वह आपकी आंखों में नहीं है तो उसका कोई मतलब नहीं है। आंखों में सचाई दिखनी चाहिए। आज भी अगर मैं ऑडिशन दे रही हूं और मम्मा मेरा ऑडिशन टेप कर रही होती हैं, तो बोलती है कि आंखों में नहीं दिख रहा है, एक बार फिर से करो। यह मम्मा की सबसे बड़ी सीख रही है। वहीं, फिल्म इन गलियों में के लिए एक आम सब्जीवाली के किरदार में ढलने की तैयारी के बाबत वह बताती हैं, असल में हमें तैयारी करने के लिए ज्यादा वक्त नहीं मिला था। शूटिंग से पहले दो हफ्ते ही मिले थे, मगर मैंने अपने डायलेक्ट पर बहुत काम किया। हमारे डायलेक्ट कोच थे, उनकी मदद से काफी रिहर्सल की, ताकि शूटिंग में मेरा किरदार बनावटी ना लगे।

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने कई नए लोगों को मौके दिए

विवान शाह की फिल्म कोट हाल ही में वेव्स पर रिलीज हुई है। इसमें संजय मिश्रा भी लीड रोल में हैं।

किस चीज ने आपको फिल्म कोट करने के लिए प्रेरित किया?

यह एक ऐसी कहानी है और किरदार है, जो मेरे तजुर्बे और समझ से बहुत ही बाहर है। इसे जीवित करने के लिए कल्पना, इंसानियत और ऑब्जर्वेशन की जरूरत पड़ी। यह ऐसे लोगों की कहानी है जिन्हें कई बार हम देखते रहते हैं लेकिन हम उनके बारे में सोचते नहीं हैं। यह मेरे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कहानी थी। ये हमारी एक छोटी सी कोशिश है, जो समस्याएं हैं उन्हें सुधारने की। इसमें जो मेरा किरदार है उसे एक एक्टर और इंसान के तौर पर निभाना बहुत बड़ा चैलेंज है। शायद इसी चीज ने मुझे इस कहानी का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया।

अब फिल्म ओटीटी पर है तो इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मैं बहुत खुश हूं कि फिल्म ओटीटी पर आई है और एक ऐसे प्लेटफार्म पर है, जिसकी परंपरा बहुत पुरानी है। दूरदर्शन (वेव्स) के जरिए बहुत बड़ी कहानियां और फिल्में एक बड़ी ऑडियंस तक पहुंच पाईं। दूरदर्शन एक इंपॉर्टेंट इंस्टीट्यूशन है और मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि मेरी फिल्म इस प्लेटफार्म पर रिलीज हुई है क्योंकि यह इंस्टीट्यूशन हम सभी के दिलों के बेहद करीब है। ये हमारे बड़े होने के दौरान का एक बहुत बड़ा हिस्सा था और आज

क्या ओटीटी आने के बाद इंडस्ट्री में कुछ बदलाव आए हैं?

जी हां। बहुत सारे बदलाव आए हैं। बहुत सारे बढ़िया मौके मिले हैं। बहुत सारे कलाकारों को चाहे वो अभिनेता हों, अभिनेत्रियां हों या फिर डायरेक्टर-राइटर-टेक्निशियन हों। ओटीटी ने कई लोगों को मौके दिए हैं और इसके आने से काम के मौके भी बढ़े हैं। साथ-साथ एक्सपेरिमेंट्स के भी मौके बढ़ गए हैं। हमारी इंडस्ट्री के लिए बहुत ही बड़ा रिवॉल्यूशन है।

कार्तिक आर्यन की फिल्म से आउट हुईं श्रीलीला

श्रीलीला इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जिनमें हाल ही में साउथ अभिनेता नितिन के साथ उनकी तेलुगु फिल्म रॉबिनहुड रिलीज हुई है। वहीं श्रीलीला, कार्तिक के साथ एक अनाम फिल्म में नजर आएंगी, लेकिन वहीं अब उन्हें कार्तिक की ही एक फिल्म से निकाल दिया गया है। एक खबर के मुताबिक, श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म पती पत्नी और वो के सीक्वल में फाइनल कर लिया गया था, लेकिन आखिरी मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने उन्हें हटा दिया। कहा जा रहा है कि यह फिल्म पति पत्नी और वो का सीक्वल है, जिसमें श्रीलीला को लगभग फाइनल कर ही लिया गया था। लेकिन अब उनकी जगह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को ले लिया गया है। वहीं, श्रीलीला इस समय कार्तिक आर्यन के साथ अपनी पहली अनाम हिंदी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। इस शूटिंग के वीडियो सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुके हैं।

अखंडा 2-थंडवम में राजनीतिक नेता की भूमिका निभाएंगी विद्या बालन

साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु की फिल्म अखंडा के दूसरे पार्ट की घोषणा की जा चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि अब इस फिल्म में उस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हुई है, जिन्हें आप इस किरदार में खूब पसंद करेंगे। नतासिम्हा नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म अखंड की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी अखंडा 2 – थंडवम की शूटिंग में व्यस्त हैं। बोयापति श्रीनु के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तेजी से तैयार हो रही है। एक खबर के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन को फिल्म में एक अहम किरदार के लिए चुना गया है। कहा जा रहा है कि वह एक राजनीतिक नेता की भूमिका निभाएंगी। यह बालकृष्ण के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी, इससे पहले वह एनटीआर की बायोपिक में उनके साथ काम कर चुकी हैं। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अखंडा का दूसरा पार्ट अखंडा 2 आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जा चुका है। निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया था और महाकुंभ मेले में अखंडा 2- तांडवम के कुछ महत्वपूर्ण एपिसोड शूट किए गए थे। फिल्म अखंडा 2 पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी।

शारिब हाशमी ने बताया 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में क्या होगा नया

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे भाग का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब तक इस सीरीज के दो पार्ट आ चुके हैं और दोनों को ही लोगों ने काफी पसंद किया है। अब इसके आने वाले तीसरे भाग को लेकर शारिब हाशमी ने बात की है। साथ ही उन्होंने ये दावा किया है कि आने वाले तीसरे सीजन में मजा भी तीनगुना होने वाला है और सीरीज में कई नए तथ्य भी देखने को मिलेंगे।

काफी बड़े पैमाने पर होगा सीजन 3

बातचीत में शारिब हाशमी ने 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन को लेकर बात की। उन्होंने कहा, तीसरे सीजन में मेरे किरदार में काफी कुछ नया है। हम नई चीजें सीखेंगे, ज्यादा मौज मस्ती करेंगे और यह सीजन बाकी दोनों सीजन से काफी बड़े स्तर पर होने वाला है। पहले सीजन को लोगों ने पसंद किया। इसके बाद दूसरे सीजन में लोगों का मजा दोगुना हो गया। अब तीसरे सीजन में गारंटी लेता हूं कि सभी का मजा तीन गुना होने वाला है।

मेरे लिए किरदार में ढलना आसान था

सीरीज में अपने किरदार जेके तलपड़े के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मेरे लिए किरदार में ढलना काफी आसान था। क्योंकि मैं मुंबई में ही पैदा हुआ और यहीं पर बड़ा हुआ हूं। मैं चारों तरफ मराठी भाषा बोलने वाले लोगों से ही घिरा रहता हूं। मैंने 10वीं कक्षा तक स्कूल में मराठी पढ़ी है। मेरे अधिकांश दोस्त महाराष्ट्र से ही हैं। इसलिए मिला जेके तलपड़े का किरदार शारिब ने आगे बताया कि उनकी भाषा में कई तरह के प्रभाव देखने को मिलते हैं, क्योंकि उनके पिता उत्तर प्रदेश से और मां दिल्ली से थीं। हालांकि, उन्हें मराठी काफी पसंद है। इसलिए जब उन्होंने 'द फैमिली मैन' के लिए ऑडिशन दिया, तो निर्माताओं ने उन्हें जेके तलपड़े का किरदार निभाने को दिया।

'संदूक' में नजर आए शारिब

वर्कफ्रंट की बात करें तो शारिब हाशमी की हालिया रिलीज 'संदूक' है, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स पर स्ट्रीम कर रही है। इसके अलावा वो इसी साल रिलीज हुई जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमेट' में भी नजर आए थे।

विश्वंभरा में अभिनय के साथ गायकी का हुनर दिखाएंगी चिरंजीवी?

विश्वंभरा को लेकर फैंस के बीच उत्साह बना हुआ है। फैंस फिल्म से जुड़ी जानकारी का इंतजार करते हैं। अब फिल्म पर नया अपडेट सामने आया है चर्चा है कि चिरंजीवी ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरवानी के निर्देशन में विश्वंभरा के एक गाने को अपनी आवाज दे सकते हैं हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह सच हुआ तो इससे फैंस काफी खुश होंगे।

फिल्म में तृषा कृष्णन, आशिका रंगनाथ, कुणाल कपूर, राम्या पसुपलेटी, ईशा चावला और आश्रिता वेमुगंती नंदूरी मुख्य भूमिकाओं में हैं यूवी क्रिएशंस द्वारा निर्मित यह फिल्म अगस्त या सितंबर 2025 में सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है।

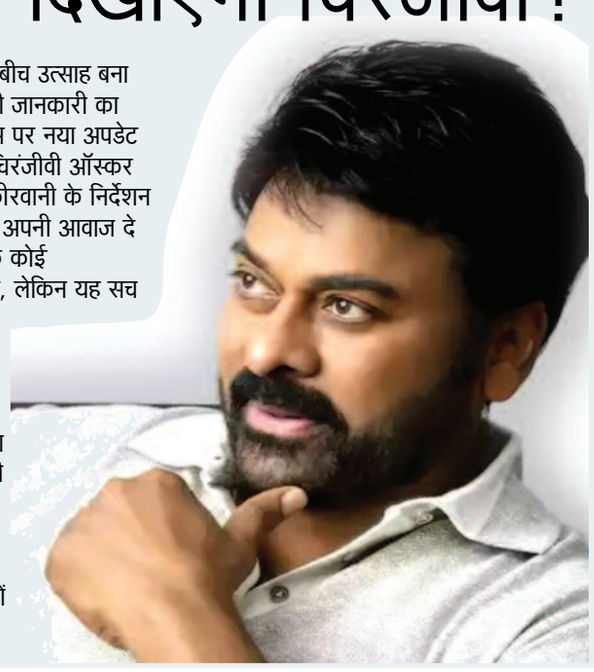

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673